दैनिक हिन्दी अख़बार

सच बेधड़क

www.sachbedhadak.com | twitter.com/sachbedhadak | facebook.com/sachbedhadak
YouTube: youtube.com/@sachbedhadak | Instagram: instagram.com/sach_bedhadak

वर्ष: 3 | अंक: 03 जयपुर, मंगलवार, 12 दिसंबर, 2023 | मार्गशीर्ष, कृष्ण पक्ष- अमावस्या , विसं 2080 पृष्ठ: 10 | मूल्य: 2.00

बजरंग बली को प्रणाम...

जयपुर। सच बेधड़क दैनिक हिंदी अखबार का दूसरा स्थापना दिवस सोमवार को मनाया गया। खोले के हनुमान जी मंदिर में संगीतमय हनुमान चालीसा पाठ व सवामणी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अतिथियों ने सच बेधड़क अखबार के कलेवर की भूरि-भूरि प्रशंसा की और भविष्य में इसी तरह बेहतर कार्य करने की उम्मीद जाहिर की। इस अवसर पर खोले के हनुमान जी मंदिर में सच बेधड़क के फाउंडर एंड एडिटर इन चीफ विनायक शर्मा और उनकी पत्नी सृष्टि जैन पूजा-अर्चना करते हुए। ■ पेज 2 और 3 भी देखें।

फोटो: राजेश कुमावत

उच्चतम न्यायालय ने कहा- 'जम्मू कश्मीर भारत का अभिन्न अंग... कोई आंतरिक संप्रभुता नहीं...'

अनुच्छेद 370 हटाने पर अब लगी 'सुप्रीम मुहर'

केंद्र सरकार के फैसले को बताया सही... रखा बरकरार

एजेंसी | नई दिल्ली/श्रीनगर

उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को पूर्ववर्ती राज्य जम्मू कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले संविधान के अनुच्छेद 370 को रद्द करने के 2019 के फैसले को सर्वसम्मति से बरकरार रखा। इसे केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के लिए एक महत्वपूर्ण जीत माना जा रहा है। न्यायालय ने अगले साल सितंबर के अंत तक जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव कराने का आदेश देते हुए कहा कि उसका राज्य का दर्जा जल्द से जल्द बहाल किया जाए। यह मानते हुए कि 1949 में जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने के लिए भारतीय संविधान में शामिल किया गया अनुच्छेद 370 एक अस्थायी प्रावधान था, प्रधान न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने कहा कि भारत के राष्ट्रपति को तत्कालीन राज्य की संविधान सभा की अनुपस्थिति में इस उपाय को रद्द करने का अधिकार था, जिसका कार्यकाल 1957 में समाप्त हो गया था।

इस मुद्दे पर 16 दिनों की लंबी सुनवाई के बाद दशकों से चली आ रही बहस का निपटारा करते हुए पीठ ने इस अनुच्छेद को निरस्त करने को बरकरार रखते हुए तीन सहमति वाले फैसले दिए, जो 1947 में भारत संघ में शामिल होने पर जम्मू-कश्मीर को एक विशेष दर्जा प्रदान करता था। जस्टिस संजय किशन कौल और जस्टिस संजीव खन्ना ने इस मुद्दे पर अलग-अलग, लेकिन सहमति वाले फैसले लिखे। शीर्ष अदालत ने पूर्ववर्ती राज्य जम्मू-कश्मीर से अलग कर लद्दाख को केंद्र शासित प्रदेश बनाने के केंद्र के फैसले की वैधता को भी बरकरार रखा।

मोदी सरकार की महत्वपूर्ण जीत

अनुच्छेद 370 को खत्म करना भाजपा के एजेंडे के मुख्य मुद्दों में से एक रहा है और इसे लगातार उसके चुनावी घोषणा पत्र में शामिल किया गया है। शीर्ष अदालत का फैसला 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए एक प्रोत्साहन के रूप में भी आया है।

न्यायालय के निर्णय को पीएम मोदी ने दिया 'ऐतिहासिक' करार: नरेंद्र मोदी ने अनुच्छेद 370 के ज्यादातर प्रावधानों को निरस्त करने संबंधी सरकार के फैसले को बरकरार रखने के न्यायालय के निर्णय को 'ऐतिहासिक' करार दिया और कहा कि यह 'जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के लोगों के लिए आशा, प्रगति और एकता की शानदार घोषणा' है। उन्होंने 'एक्स' पर हैशटैग 'नया जम्मू कश्मीर' के साथ एक पोस्ट में कहा, 'यह जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में हमारी बहनों और भाइयों के लिए आशा, प्रगति और एकता की एक शानदार घोषणा है।

30 सितंबर 2024 तक कराए चुनाव

प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने सोमवार को एक ऐतिहासिक फैसले में अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को निरस्त करने के केंद्र के पांच अगस्त, 2019 के फैसले को सर्वसम्मति से बरकरार रखा, जबकि जम्मू-कश्मीर के लिए जल्द से जल्द राज्य का दर्जा बहाल करने और 30 सितंबर, 2024 तक विधानसभा चुनाव कराने का निर्देश दिया।

विकास नई गाथा लिख रहा है नया जम्मू कश्मीर : वसुंधरा: पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने कहा यह निर्णय पीएम मोदी के 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के दृष्टिकोण पर विश्वास की मुहर है। भाजपा नेता उन्होंने कहा कि 'नया जम्मू-कश्मीर विकास और सुधार की नई गाथा लिख रहा है।'

जरूरी खबर

एफबीआई डायरेक्टर भारत दौरे पर

नई दिल्ली। अमेरिकी जांच एजेंसी 'फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन' (एफबीआई) के निदेशक क्रिस्टोफर रे ने सोमवार को यहां केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के निदेशक प्रवीण सूद से मुलाकात की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस दौरान उन्होंने साइबर जगत से संबंधित वित्तीय अपराधों से निपटने में अधिक सहयोग और अपराधियों तथा भगोड़ों को न्याय के कठघरे में लाने में साक्ष्य साझा करने पर चर्चा की। अधिकारियों ने बताया कि अपराह्न करीब दो बजे रे और अन्य अमेरिकी अधिकारी सीबीआई मुख्यालय पहुंचे और करीब एक घंटे तक हुई बैठक में दोनों पक्षों ने संगठित अपराध नेटवर्क, साइबर-सक्षम वित्तीय अपराधों, रैंसमवेयर खतरों, आर्थिक अपराधों और अंतरराष्ट्रीय अपराध द्वारा उत्पन्न चुनौतियों पर चर्चा की।

जम्मू-कश्मीर: सैन्य शिविर में कैप्टन का शव मिला

श्रीनगर। सेना के एक कैप्टन का शव सोमवार को श्रीनगर शहर के बाहरी इलाके में स्थित शिविर के एक कमरे की छत से लटका हुआ पाया गया। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना सेना के शरीफाबाद शिविर में हुई। उन्होंने बताया कि मौत के कारण का पता लगाने के लिए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

जयपुर में रही सीजन की सबसे सर्द रात

सर्दी के तेवर तीखे

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश में सर्दी ने अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। सोमवार को प्रदेश के 10 जिलों में न्यूनतम पारा 10 डिग्री से कम रहा। माउंट आबू में पारा लगातार चौथे दिन जमाव बिंदु पर रहा। राजधानी जयपुर में सीजन की सबसे सर्द रात रही। यहां पारा रविवार के मुकाबले सोमवार को एक डिग्री नीचे आया। इसके अलावा जोधपुर, कोटा, चूरू समेत कई शहरों का न्यूनतम तापमान में गिरावट आई है। इन शहरों में सोमवार को सीजन का सबसे कम तापमान दर्ज हुआ। मौसम विशेषज्ञों का अनुमान है कि अगले कुछ दिनों तक सर्दी इसी तरह बनी रहेगी।

इन शहरों में तापमान रहा कम

जयपुर में 10.7, भीलवाड़ा में 9.8, कोटा 12.3, धौलपुर 10.5, बारां 8.9, करौली 9, बाड़मेर 10.4, जोधपुर 8.6, चूरू 6.4, गंगानगर 7.9 और हनुमानगढ़ में 5.4 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज हुआ। ये इन शहरों का इस सीजन का सबसे कम तापमान रिकॉर्ड हुआ है।

माउंट आबू में चौथी बार पारा जमाव बिंदु पर

सर्दी बढ़ने के साथ ही माउंट आबू घूमने आने वाले पर्यटकों की संख्या में भी इजाफा होने लगा है। हिल स्टेशन के अलावा शेखावाटी में भी सर्दी तेज रही। चूरू में न्यूनतम तापमान 6.4, पिलानी में 7 और सीकर में 5.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। सीकर के फतेहपुर में तापमान 4.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। इधर, बारां न्यूनतम तापमान 2.5 डिग्री सेल्सियस गिरकर 8.9 पर पहुंच गया, जो यहां सीजन का सबसे कम तापमान रहा। राज्य में सोमवार को 10 से ज्यादा शहरों में न्यूनतम तापमान सिंगल डिजिट में रहा।

सीएम की कवायद: मुख्यमंत्री को लेकर भाजपा ने तैयार किया गेम प्लान

'ताज' का फैसला आज

आज शाम जयपुर पहुंचेंगे पर्यवेक्षक, उसके बाद होगी विधायक दल की बैठक

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश में एक सप्ताह से मुख्यमंत्री चयन को लेकर जयपुर से लेकर दिल्ली तक सियासी हलचल तेज है। मंगलवार यानी आज इसको लेकर तस्वीर लगभग साफ हो जाएगी। भाजपा ने छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश में नए मुख्यमंत्री ऐलान कर सबको चौंका दिया।

अब प्रदेश के सियासी गलियारों में चर्चा है कि क्या प्रदेश में भी सीएम चयन को लेकर कोई चौंकाने वाली घोषणा की जाएगी? मंगलवार को तीनों पर्यवेक्षकों के जयपुर पहुंचने के साथ ही सीएम घोषणा को लेकर तमाम कयासों पर विराम लग जाएगा। मंगलवार शाम को जयपुर में विधायक दल की बैठक बुलाई जा सकती है। सभी विधायकों को बैठक की सूचना भी भिजवा दी गई है। इधर, सोमवार को विधायक डॉ. किरोड़ीलाल मीणा, वासुदेव देवनानी, जोगेश्वर गर्ग सहित अन्य विधायक प्रदेश भाजपा कार्यालय पहुंचे। यहां जोगेश्वर गर्ग ने मीडिया से कहा कि पार्टी के पर्यवेक्षक मंगलवार को आएंगे और विधायकों से संवाद करेंगे। उन्होंने कहा कि यह एक औपचारिक बैठक होगी, जिसके बाद मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा की जाएगी।

विधायकों से मुलाकात करना गुटबाजी का संकेत नही

चुनाव परिणाम के बाद से पूर्व सीएम वसुंधरा से विधायकों का मिलना जारी है। इसको लेकर किरोड़ी मीणा ने कहा कि विधायकों से मिलना एक सामान्य प्रक्रिया है। मुझसे भी अभी तक 17 से ज्यादा विधायकों ने मुलाकात की है। इसका मतलब यह नहीं कि पार्टी में कोई गुटबाजी है। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में 200 में से 199 सीट के लिए हुए चुनाव के परिणाम तीन दिसंबर को घोषित किए गए। भाजपा को 115 सीट पर जीत के साथ बहुमत मिला है।

विधायक दल की बैठक आज

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष की ओर से सभी विधायकों को मंगलवार शाम भाजपा मुख्यालय पहुंचने के निर्देश दिए हैं। अभी 80 से ज्यादा विधायक जयपुर पहुंच चुके हैं। बाकी मंगलवार सुबह तक पहुंच जाएंगे।

शपथ ग्रहण की तैयारियां शुरू

प्रदेश भाजपा सीएम चयन के बाद होने वाले शपथ ग्रहण समारोह को यादगार व भव्य बनाने में जुट गई है। भाजपा मुख्यालय में इसकों लेकर तैयारियां शुरू होने लगी है। बताया जा रहा है कि शपथ ग्रहण समारोह में पीएम मोदी के आने की संभावनाओं के बीच बड़े नेताओं ने तैयारियों का खाका तैयार कर लिया है, हालांकि यह तय नही है कि शपथ ग्रहण समारोह कहां होगा? अलबर्ट हॉल या विधानसभा के सामने यह समारोह आयोजित किया जा सकता है।

मोहन यादव होंगे मध्य प्रदेश के अगले मुख्यमंत्री

भोपाल। मध्य प्रदेश के नए मुख्यमंत्री के नाम का ऐलान कर दिया गया है। भोपाल में हुई विधायक दल की बैठक में मोहन यादव के नाम पर मुहर लगाई गई। पर्यवेक्षकों की मौजूदगी में सर्वसम्मति से मोहन यादव को राज्य का अगला मुख्यमंत्री चुना गया। मोहन यादव ओबीसी वर्ग से आते हैं। शिवराज सिंह ने उनके नाम का प्रस्ताव रखा, जिसका सभी विधायकों ने समर्थन किया। इसके साथ ही मध्यप्रदेश के दो डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा और राजेंद्र शुक्ला होंगे। मोतीलाल नेहरू स्टेडियम में 13 दिसंबर को नए शपथ ग्रहण समारोह होगा।

करणपुर में आज से भरे जा सकेंगे नामांकन पत्र

बेधड़क | जयपुर

कांग्रेस प्रत्याशी गुरुमीत कुन्नर के निधन से स्थगित हुए करणपुर विधानसभा क्षेत्र के चुनाव के लिए मंगलवार से नामांकन पत्र दाखिल करने की प्रक्रिया शुरू होगी। करणपुर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी के अलावा 11 उम्मीदवार हैं। कांग्रेस को नए प्रत्याशी का नामांकन करना होगा। माना जा रहा है कि कांग्रेस की ओर से गुरुमीत कुन्नर के परिवार से रूबी कुन्नर को टिकट दिया जा सकता है, ताकि सहानुभूति वोट हासिल किए जा सके। चुनाव में 19 दिसंबर तक नामांकन पत्र जमा जा सकेंगे। 20 दिसंबर को नामांकन पत्रों की संवीक्षा की जाएगी तथा 22 दिसंबर तक नामांकन पत्रों को वापस लेने की अंतिम तिथि होगी। 5 जनवरी को मतदान होगा तथा 8 जनवरी को मतों की गणना जिला मुख्यालय पर सुबह 8 बजे प्रारंभ होगी। करणपुर में 249 मतदान केंद्र हैं और 1,25,850 पुरुष व 1,14,966 महिला, 180 सर्विस वोटर और 10 अन्य (ट्रांसजेंडर) मतदाता है।

इनकम टैक्स कॉलोनी से हथियार तस्कर पूजा गिरफ्तार, हिस्ट्रीशीटर पति फरार

एक सप्ताह से जगतपुरा में रह रहा था गोगामेड़ी का हत्यारा नितिन फौजी

- दो साल से चल रही थी गोगामेड़ी की हत्या की प्लानिंग
- हत्या से पहले पूजा और उसके पति ने नितिन को छोड़ा था अजमेर रोड पर
- दूसरे शूटर रोहित राठौड़ को सौंपे थे हथियार और पचास हजार रुपए

बेधड़क | जयपुर

सुखदेव सिंह गोगामेड़ी हत्याकांड में पुलिस की टीमें लगातार दबिश दे रही है। सुखदेव की हत्या करने के लिए अब पुलिस ने पूजा सैनी उर्फ पूजा बत्रा को गिरफ्तार किया है। इसने शूटर नितिन फौजी को हत्या से पूर्व करीब एक सप्ताह तक अपने घर में शरण दी थी। पूजा सैनी अपने पति महेंद्र उर्फ समीर के साथ 48 इनकम टैक्स कॉलोनी जगतपुरा में किराए के फ्लैट में रही थी। पूजा का पति अभी फरार है। पुलिस पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

नितिन फौजी

पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसफ ने बताया कि हथियार तस्कर पूजा सैनी को गिरफ्तार कर लिया, जबकि उसका पति महेंद्र कुमार उर्फ समीर फरार हो गया। महेंद्र कोटा का हिस्ट्रीशीटर है। उसके खिलाफ हत्या का प्रयास, मारपीट, सहित दो दर्जन मामले दर्ज हैं।

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त प्रथम कैलाश चंद्र विश्नोई ने बताया कि घटना के दो दिन बाद यह इनपुट मिला था कि नितिन फौजी सुखदेव की हत्या करने से पूर्व प्रताप नगर इलाके में रुका था। पुलिस टीम ने करीब 24 घंटे लगातार पैदल चलकर डोर टू डोर सर्च किया। टीम ने जांच कर पूजा को अरेस्ट कर लिया। पूछताछ में उसने कई चौकाने वाले खुलासे किए। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि 28 नवंबर को टैक्सी से नितिन प्रताप नगर चौपाटी पहुंचा। वहां से महेंद्र व पूजा सैनी ने उसे अपनी सियाज गाड़ी में बिठाया और अपने फ्लैट पर ले गए। इस मकान में एक लड़का और लड़की भी किराए पर रहते हैं। महेंद्र ने इन दोनों को दूसरे कमरे में शिफ्ट किया और उनके कमरे में नितिन को रोक दिया। नितिन के कमरे का गेट हमेशा बंद रखा जाता था। नितिन से कोई बात नहीं कर सकता था। पूजा खाना बनाकर उसके कमरे में ही देने जाती थी।

पूजा ने दोनों को बोला था... बेस्ट ऑफ लक

पांच दिसंबर को सुबह करीब 10 बजे महेंद्र अपनी सियाज गाड़ी में नितिन को लेकर रवाना हुआ। उसके साथ पूजा भी थी। वे तीनों अजमेर रोड पहुंचे, जहां पर शूटर रोहित राठौड़ उनका इंतजार कर रहा था। महेंद्र ने उसे अपनी गाड़ी में बैठाया। कार में पूजा ने रोहित को एक पिस्टल और मैग्जीन के अलावा 50 हजार रुपए दिए। दोनों को गाड़ी से नीचे उतारा और बेस्ट ऑफ लक कहकर रवाना किया। महेंद्र के घर तलाशी में कई वाहनों की आरसी, पैन कार्ड, आधार, कार्ड, मेमोरी कार्ड आदि मिले।

ट्रक नहीं मिला तो खेतों में छिपे रहे दोनों शूटर

सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या के बाद जयपुर से भागने की योजना को लेकर कथित हमलावरों और उनके आकाओं के बीच 'गलत संवाद' के कारण उनकी गिरफ्तारी हुई। दिल्ली पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि पांच दिसंबर को गोगामेड़ी की हत्या करने के बाद शूटर रोहित राठौड़ और नितिन फौजी को ट्रक से तुरंत जयपुर से बाहर निकलना था। वाहन के स्थान को लेकर उनके और उनके आकाओं के बीच 'गलत संवाद' के कारण वे ऐसा नहीं कर सके। जांच प्रक्रिया से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि योजना के मुताबिक, गोगामेड़ी की हत्या के तुरंत बाद दोनों को उनके आकाओं द्वारा उपलब्ध कराए गए ट्रक में सवार होना था। ट्रक से राठौड़ और नितिन फौजी को जयपुर से बाहर जाना था, लेकिन निर्धारित स्थान पर वाहन नहीं मिला। जब हमलावरों ने घटना को अंजाम देकर अपने आकाओं से संपर्क किया तो उन्हें बताया गया कि जिस स्थान पर वे हैं उससे ट्रक दूर खड़ा है। इस पर राठौड़ और नितिन फौजी ने एक स्कूटी चुराई। आकाओं के संदेश का इंतजार करते हुए अजमेर बाईपास के निकट खेत में छिपे रहे।

सच बेधड़क मीडिया ग्रुप के दो साल बेमिसाल

बालाजी के दरबार में बेधड़क परिवार

हर्षोल्लास से मनाया सच बेधड़क अखबार का स्थापना दिवस

बेधड़क,जयपुर। संगीत की धुनों के बीच हनुमान चालीसा की चौपाइयों का बरसता रस, भक्तिमय माहौल के बीच पाठ करते श्रद्धालु और संत-महंतों की मौजूदगी से आस्था और उल्लास का संगम। ऐसा ही कुछ नजारा सोमवार को खोले के हनुमान मंदिर परिसर स्थित गीता आश्रम में दिखाई दिया। यहां मौका था 'सच बेधड़क' मीडिया ग्रुप की दूसरी वर्ष गाठ पर आयोजित कार्यक्रम का। सुरम्य वादियों के बीच आयोजित कार्यक्रम में कई राजनीतिक और सामाजिक हस्तियां भी शामिल हुईं। इस अवसर पर 'सच बेधड़क' मीडिया ग्रुप के फाउंडर एंड एडिटर इन चीफ विनायक शर्मा ने आए हुए सभी गणमान्य लोगों का अभिवादन और स्वागत किया। इस मौके पर आयोजित पंगत प्रसादी में बड़ी संख्या लोगों ने प्रसादी का आनंद उठाया। इस मौके पर आयोजित संगीतमयी हनुमान चालीसा पाठ में कलाकारों ने भजनों की जुगलबंदी के साथ चौपाइयों का गायन किया तो श्रोता आनंद से झूम उठे। हनुमान चालीसा पाठ से पूर्व प्रथम पूज्य भगवान गणेश की आराधना की गई। इसके बाद मां भगवती, हनुमानजी और गुरु आराधना भी की गई। इसके बाद पाठ हनुमान चालीसा पाठ शुरू हुआ। इस दौरान कार्यक्रम में मौजूद सभी लोगों ने सस्वर हनुमान चालीसा का पाठ कर अपनी हाजरी लगाई।

भोलेनाथ की फूलबंगला झांकी ने मोहा मन

आयोजन के तहत गीता आश्रम में भगवान शिव की मनोहारी झांकी सजाई गई। रंग-बिरंगे फूलों से फूलबंगला झांकी सजाई गई। इससे पूर्व भगवान शिव की पूजा-अर्चना की गई। गुलाब, नवरंगा, हजारा, लीली सहित विदेशी फूलों से सजी मनोहारी झांकी आकर्षण का केन्द्र रही। कार्यक्रम में आए लोगों ने भोलेनाथ को धोक लगाई।

खोले के हनुमान को लगाया चूरमे का भोग

आयोजन के तहत शाम 5 बजे खोले के हनुमान को चूरमे का भोग अर्पित किया गया। इस मौके पर 'सच बेधड़क' मीडिया ग्रुप के फाउंडर एंड एडिटर इन चीफ विनायक शर्मा और उनकी धर्मपत्नी सृष्टि जैन ने हनुमानजी की वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजा-अर्चना की। हनुमानजी को भोग अर्पित कर सुख-समृद्धि की कामना की।

सुरों ने मोहा मन

कार्यक्रम में श्री भक्त वत्सल मंडल के गायकों ने हनुमान चालीसा का संगीतमयी पाठ किया। इसमें ग्रुप के फाउंडर विनायक शर्मा ने भी वाद्य यंत्रों की सुरताल के साथ हनुमान चालीसा का पाठ किया। साथ ही मंडल के मोहरपाल सैन, ऋषिकेश सिखवाल ने भी गायन किया। इनके साथ रोहित डाबल और कृष्णराज चौहान, संदीप चौहान ने वाद्ययंत्रों के साथ संगत की।

जै हनुमान धणी, अर्पण छै थांने सवामणी...

संत-महंतों की संगत में 'सच बेधड़क' परिवार को मिला आशीर्वाद

बेधड़क.जयपुर। एक अखबार का काम होता है, देश प्रदेश के आखिरी छोर पर रहने वाले व्यक्ति की आवाज को शीर्ष नेतृत्व तक पहुंचाना। सच बेधड़क अखबार आज वही काम कर रहा है। ये कहना था हवामहल विधानसभा के विधायक महंत बाल मुकुंदाचार्य महाराज का। विधायक आचार्य ने सोमवार को सच बेधड़क अखबार की दूसरी वर्षगांठ पर खोले के हनुमान मंदिर में आयोजित संगीतमय हनुमान चालीसा पाठ में शिरकत की। वहीं गुरु पंडित महेश दत्त शर्मा ने कहा कि सच बेधडक अखबार लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ के रूप में आम लोगों की आवाज बन गया है। बहुत ही कम समय में विनायक शर्मा ने जो मुकाम हासिल किया है, वो काबिले तारीफ है। उन्होंने अखबार के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर ज्ञानेश्वरजी महाराज, पूर्व आईएएस पवन अरोड़ा, भारत 24 चैनल के सीईओ जगदीश चंद्रा, पूर्व राज्य सभा सांसद रामकुमार वर्मा सहित कई गणमान्य लोगों ने सच बेधडक परिवार को शुभकामनाएं दी।

जरूरी खबर

निकाय क्षेत्रों में विशेष सफाई अभियान आज से

जयपुर। प्रदेश के नगरीय निकाय क्षेत्रों में मंगलवार से विशेष सफाई अभियान चलाया जाएगा। इस संबंध में स्वायत्त शासन विभाग ने प्रदेश की समस्त नगरीय निकायों को आदेश जारी किया है। जिसमें नगरीय निकायों के समस्त अधिकारियों को निकाय क्षेत्रों में सुदृढ़ सफाई व्यवस्था के लिए पाबंद किया है। साथ ही सभी को निर्देशित किया है कि वे घर-घर कचरा संग्रहण, रोड़ स्वीपिंग, रोड़ साईड में घास-झाड़ियों की कटिंग, विभिन्न स्थानों पर कचरों की ढ़ेरिया आदि को हटवाने का कार्य शुरू करें। वहीं प्रतिदिन किए जाने वाले कार्यो की सूचना विडियो और फोटो के साथ वेबसाइट पर भी अपलोड कराने के निर्देश दिए है।

पेड़ से लटके मिले नाबालिग लड़के-लड़की के शव

उदयपुर। जिले के खेरवाड़ा थाना क्षेत्र में रविवार रात नाबालिग लड़के-लड़की के शव पेड़ से लटके पाए गए। थानाधिकारी दिलीप सिंह ने बताया कि बंजारिया क्षेत्र में नाबालिग लड़के और लड़की के शव एक पेड़ से लटके पाए गए। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला कि दोनों के बीच कथित तौर पर प्रेम-प्रसंग चल रहा था। सोमवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

डाक अदालत 19 को, शिकायतों का होगा निस्तारण

जयपुर। डाक से सम्बंधित शिकायतों के निराकरण के लिए आगामी 19 दिसंबर को सुबह 11 बजे प्रवर अधीक्षक डाकघर जयपुर नगर मंडल कार्यालय मयंक ट्रेड सेंटर के पास, जयपुर में डाक अदालत का आयोजन किया जाएगा। डाक सेवाओं के सम्बन्ध में डाक व रेल डाक सेवा में काउंटर सेवा, मनीआर्डर, मूल्य देय वस्तुएं, बचतबैंक, स्पीडपोस्ट, पार्सल एवं बीमाकृत वस्तुओं, डाक जीवन बीमा या फिर विदेशी डाक सेवा से सम्बंधित हो, तो शिकायतकर्ता को अपना पूर्ण विवरण लिखकर भेजना होगा।

शिक्षा नगरी में अवसाद ग्रस्त विद्यार्थियों को मिल रही परामर्श व चिकित्सकीय सहायता

हेल्प डेस्क को दो महीने में मिलीं 350 से अधिक शिकायतें

■ आत्महत्या के मामलों की रोकथाम के लिए बनाई थी हेल्प डेस्क

बेधड़क | कोटा

शिक्षा नगरी कोटा के कोचिंग संस्थानों में पढ़ने वाले छात्रों की मदद के लिए दो महीने पहले स्थापित हेल्प डेस्क को अब तक 373 शिकायतें मिली हैं।

इसके तहत अवसाद से ग्रसित छात्रों को पेशेवर परामर्श एवं चिकित्सकीय सहायता मुहैया कराई गई है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार कोटा के कोचिंग संस्थानों में संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) और राष्ट्रीय प्रवेश सह पात्रता परीक्षा (नीट) की तैयारी कर रहे छात्रों द्वारा कथित रूप से आत्महत्या किए जाने की घटनाओं में वृद्धि के बाद जिला प्रशासन ने सितंबर में कई अहम कदम उठाए थे।

विद्यार्थियों के लिए तनाव मुक्त वातावरण सुनिश्चित करने के लिए उठाए गए विभिन्न कदमों के बीच कोचिंग संस्थानों में छात्रों को लगभग एक महीने के लिए

नियमित परीक्षाओं से छूट दी गई और प्रसिद्ध प्रेरक वक्ताओं ने छात्रों के साथ कई सत्र आयोजित किए। उन्होंने कहा कि इसके अलावा हेल्प डेस्क जेईई और नीट परीक्षार्थियों के साथ अनौपचारिक तरीके से लगातार काम कर रहा है और चिंताजनक मामलों की पहचान कर रहा है।

इस तरह की शिकायतें आई

सहायक पुलिस अधीक्षक चंद्रशील ठाकुर ने बताया कि सितंबर और अक्टूबर में प्राप्त कुल 373 शिकायतों में से 35 तनाव और अवसाद से संबंधित थीं। इसका समाधान पेशेवर परामर्शदाताओं ने किया। हेल्प डेस्क के प्रभारी ठाकुर ने कहा कि अन्य शिकायतों में ज्यादातर फीस वापसी, छात्रावास के भोजनालय में भोजन की खराब गुणवत्ता, सोशल मीडिया पोस्ट और अवांछित कॉल से संबंधित थीं।

इस साल आत्महत्या के 26 मामले

कोटा में इस साल आत्महत्या के अब तक 26 मामले दर्ज किए गए हैं। इनमें से अधिकतर आत्महत्याएं 'पेइंग गेस्ट रूम' या छात्रावास में हुईं, जो उच्च-स्तरीय समितियों द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के कार्यान्वयन और स्थानीय अधिकारियों द्वारा निगरानी में भारी खामियों को उजागर करती हैं। अधिकारियों ने बताया कि करीब दो महीनों से कोचिंग संस्थानों के छात्रों द्वारा आत्महत्या किए जाने का कोई मामला सामने नहीं आया है।

हाईवे निर्माण और रॉयल्टी के ठेकेदारों से रंगदारी पर हुई रंजिश

अंकित भादू से कहासुनी बनी गोगामेड़ी हत्याकांड की वजह

■ तभी से लॉरेंस गैंग ने गोगामेड़ी को रास्ते से हटाने का प्लान बनाना शुरू कर दिया

■ 2021 में अंकित भादू के एनकाउंटर से पहले सुखदेव से फोन पर हुई थी भिड़ंत

ओमप्रकाश शर्मा | बेधड़क

जयपुर। प्रदेश क में हाईवे निर्माण करने वाली कंपनियों और रॉयल्टी के ठेकेदारों से रंगदारी वसूलने में अड़चन पैदा करने और लॉरेंस विश्नोई की गिरफ्तारी के बाद उसकी गैंग चला रहे अंकित भादू के साथ फोन पर भिड़ना सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या का बड़ा कारण बना। पुलिस की प्रारंभिक पूछताछ में यह बात सामने आई है।

श्रीराष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की रोहित गोदारा ने दुबई में बैठकर वीरेन्द्र चारण के मार्फत दो शूटर नितिन फौजी व रोहित राठौड़ को हायर करके उसकी हत्या करा दी थी। पुलिस ने इस मामले में अब तक छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस मुख्य आरोपी नितिन, रोहित राठौड़ और उनके सहयोगी रामवीर, उधम सिंह, देवेन्द्र, जयवीर और सुखबीर से

अलग-अलग पूछताछ कर रही है। सूत्रों ने बताया कि लॉरेंस की गिरफ्तारी के बाद उसके इशारे पर अंकित भादू ही गैंग चला रहा था। अंकित मुसेवाला हत्याकांड में भी शामिल था।

वह राजस्थान के नामचीन ठेकेदारों से रंगदारी वसूलता था। जब सुखदेव सिंह गोगामेड़ी रंगदारी वसूली में अड़ंगा लगाने लगा तो दिसंबर 2021 में अंकित व गोगामेड़ी के बीच में फोन पर गाली-गलौच हो गई और दोनों ने एक-दूसरे को जान से मारने की धमकी थी। जनवरी 2022 में अंकित भादू का एनकाउंटर हो गया था।

इसके घटना के बाद भी गोगामेड़ी रास्ते नहीं हटा तो रोहित गोदारा ने दुबई में बैठकर उसको धमकी दी, लेकिन जब वह नहीं माना तो पिछले करीब दो साल से गोगामेड़ी की हत्या करने की तैयारी की जा रही थी।

दुबई में लग्जरी लाइफ दिखाकर फांसा

पुलिस की जांच में सामने आया कि एक लाख रुपए का इनामी आरोपी रोहित गोदारा दुबई में फिरौती की राशि से लग्जरी लाइफ जीता है। वीरेन्द्र चारण ने नितिन फौजी और रोहित राठौड़ की वीडियो कॉल पर बात कराई थी। गोदारा ने दोनों को वीडियो कॉल पर खुद के लग्जरी बंगले और बाहर खड़ी लग्जरी गाड़ियों को बताकर घटना के बाद दुबई में सेटल करने की बात कही। ऐसे में दोनों गोगामेड़ी की हत्या करने के लिए राजी हो गए थे। इसके के तहत वीरेन्द्र ने नेपाल में बैठकर दोनों आरोपियों के लिए वारदात करने के लिए जयपुर में हथियार उपलब्ध कराने की व्यवस्था कराई थी।

दुबई भागने की थी तैयारी

वारदात के बाद आरोपी रोहित व नितिन दोनों चंड़ीगढ़ पहुंच गए। वहां से गुरुवार को बिहार होते हुए नेपाल जाने वाले थे। फिर फर्जी दस्तावेजों के आधार पर तैयार होने वाले पासपोर्ट से वे पुलिस की पहुंच से दूर दुबई चले जाते।

पकड़वाने की धमकी देता था नवीन

गैंगस्टर वीरेंद्र चारण, संपत नेहरा और रोहित गोदारा के लिए नवीन काफी समय से काम कर रहा था। वह काम के बदले पैसे ज्यादा लेने लगा था। वह उन्हें पकड़वाने की धमकी तक देता था। सूत्रों के अनुसार नवीन के पास वीरेंद्र चारण सहित इन सभी गैंगस्टरों की ऑडियो रिकॉर्डिंग थी। हत्या से एक घंटे पहले नितिन फौजी और रोहित राठौड़ की नवीन सिंह ने अपने ही मोबाइल से वीरेंद्र चारण से बात कराई थी। इसके बाद दोनों शूटरों को नवीन को भी मारने का टास्क दिया गया। इसकी जानकारी नवीन के पास भी नहीं थी।

दुर्घटना में हुई थी 4 लोगों की मौत

सड़क हादसे के बाद एक ही मोहल्ले के तीन घरों में पसरा मातम

बेधड़क | बीकानेर

श्रीडूंगरगढ़ के कालूबास कस्बे में सोमवार को मातम छाया रहा। मोहल्ले में एक साथ तीन अर्थियां उठी तो हर किसी की आंख नम हो उठी। यहां एक-दो नहीं बल्कि तीन घरों से एक साथ अर्थियां निकली तो माहौल में कोहराम सा मच गया।

कालूकावास से तीन लोग सीकर में खाना बनाने गए थे। वहां से लौटते समय रास्ते में एक और परिचित मिल गया तो उसे भी डूंगरगढ़ तक लिफ्ट देने के लिए बिठा लिया। रास्ते में सामने से आ रहे ट्रक ने टक्कर मारी और चारों की मौत हो गई। कालूबास में रहने वाले रामचंद्र मोट, रमेश, भंवरलाल और पवन तिवाड़ी खाना बनाने के लिए सीकर गए थे। सुबह का खाना बनाकर शाम को सीकर से वापस रवाना हो गए। रास्ते में इन्हें जैसलसर निवासी हरिराम भी मिल गया। इसे भी गाड़ी में बिठा लिया। हादसे में पवन तिवाड़ी गंभीर घायल हो गया, जबकि चार लोगों की मौत हो गई। श्रीडूंगरगढ़ कस्बे में रामचंद्र, रमेश और भंवरलाल के घर आस-पास रविवार रात से ही सन्नाटा पसर गया। सोमवार सुबह जब लोग पहुंचना शुरू हुए तो रुक-रुककर चीखें इस सन्नाटे को तोड़ती नजर आई। दो-तीन गलियों को छोड़कर इन तीनों के मकान है। ऐसे में पूरे कालूबास में ही मातम छाया हुआ दिखा। यहां सुबह दुकानें भी नहीं खुली।

कलेक्टर-एसपी पहुंचे पीबीएम अस्पताल

जिला कलेक्टर भगवती प्रसाद कलाल और पुलिस अधीक्षक तेजस्विनी गौतम रविवार देर रात पीबीएम अस्पताल पहुंचे और श्रीडूंगरगढ़ सड़क हादसे में घायल की जानकारी ली। चिकित्सकों को आवश्यक निर्देश दिए। यहां पवन तिवाड़ी भर्ती है।

वेटलैंड्स पर प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित

रामसर साइट में शामिल करने को भेजा जाएगा 3 जगहों का प्रस्ताव

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान राज्य आर्द्रभूमि प्राधिकरण पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन विभाग और राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल के तत्वावधान में राज्य में अंतरराष्ट्रीय महत्व के रामसर स्थलों की संख्या बढ़ाने के लिए प्रस्तावित वेटलैंड्स पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इस दौरान राज्य में वेटलैंड्स की वर्तमान स्थिति एवं संभावित वेटलैंड साइट्स पर विस्तार से चर्चा की गई। सदस्य सचिव मोनाली

सेन ने कहा कि राज्य में सांभर एवं केवलादेव ऐसी आर्द्रभूमि है जो की देसी-विदेशी पक्षियों एवं अन्य वन्य जीवों के आकर्षण का केंद्र है। इनकी वजह से राज्य को पर्यटन एवं रामसर साइट्स के नक्शे पर विशेष पहचान हासिल हुई है। उन्होंने कहा कि इसी क्रम में खींचन (जोधपुर) कानवास पक्षी विहार (कोटा), लूणकरणसर (बीकानेर) के प्रस्ताव तैयार किए गए। इन प्रस्तावों का राज्य सरकार द्वारा परीक्षण रामसर सचिवालय में भेजा जाएगा।

आगरा-जयपुर हाईवे पर हुआ भीषण हादसा, छह लोग हुए घायल

अज्ञात वाहन की टक्कर से तीन की मौत

बेधड़क | भरतपुर

आगरा-जयपुर हाईवे पर सोमवार दोपहर हुए भीषण हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार हंतरा गांव के पास एक अज्ञात वाहन ने सवारियों से भरे टेंपो को जोरदार टक्कर मार दी।

इसके चलते टेंपो में सवार एक पुरुष और दो महिलाओं की मौत हो गई। वहीं 6 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को आरबीएम जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। नदबई थाने के सहायक उप निरीक्षक रामसहाय ने बताया कि सोमवार दोपहर करीब 1:30 बजे सवारियों

से भरा एक टेंपो भरतपुर की तरफ से हंतरा जा रहा था। टेंपो में 9 लोग सवार थे।

किसी अज्ञात वाहन ने टेंपो को पीछे से टक्कर मार दी। वाहन की टक्कर से टेंपो पलट गया। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि गंधार मुड़िया निवासी टेंपो सवार हेतराम (36) पुत्र सोहनलाल और नदबई निवासी पुष्पा (35) की मौके पर ही मौत हो गई।

सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और 7 घायलों को एंबुलेंस की मदद से आरबीएम जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। इनमें से बांसी कला निवासी कमोदनी (45) पत्नी गोपाल की उपचार के दौरान मौत हो गई। 6 घायलों का अस्पताल में उपचार चल रहा है। फिलहाल टक्कर मारने वाले वाहन का पता नहीं चल पाया है। सहायक उप निरीक्षक रामसहाय ने बताया कि दुर्घटना में घायल और मृतक के परिजनों को सूचित कर दिया गया है। दो शव नदबई अस्पताल की मोर्चरी में रखवाए गए हैं, जबकि एक शव जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। उन्होने कहा कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनो को सौंप दिया जाएगा।

एसएमएस अस्पताल में फिर कामयाब रोबोटिक सर्जरी

एक सेंटीमीटर चीरे से 20 सेमी की तिल्ली निकाल कर बचाया जीवन

बेधड़क | जयपुर

रोबोटिक सर्जरी कर मरीजों को नई जिंदगी देने में सवाई मानसिंह अस्पताल नित नए आयाम स्थापित कर रहा है। मात्र 9 महीनें में अब तक एसएमएस अस्पताल में 129 रोबोटिक सर्जरी हो चुकी है। इसी तरह एक बार फिर से एसएमएस अस्पताल के डॉक्टरों ने सफल रोबोटिक सर्जरी को अंजाम दिया है।

इसमें पांच साल से पेट दर्द से जूझ रही एक महिला मरीज की नई जिंदगी मिल गई है। ऑपरेशन की खास बात ये हैं कि पैनक्रियाज को बचाते हुए मात्र 1 सेंटीमीटर चीरे से 20 सेमी बड़ी तिल्ली को निकालकर मरीज को दर्द से छुटकारा दिलाया गया है। रोबोटिक पद्धति द्वारा छोटे से चीरे द्वारा पैनक्रियाज को सुरक्षित रखते हुए तिल्ली को निकालना प्रदेश में अपनी तरह का पहला मामला है।

ऑपरेशन में करीब तीन घंटे चला और खून की आवश्यकता नहीं पड़ी। जनरल सर्जरी विभाग के सीनियर प्रोफेसर व यूनिट हेड जीवन कांकरिया ने बताया कि 26 नवंबर को डीडवाना नागौर निवासी 45 वर्षीय महिला मरीज पांच साल से पेट दर्द की शिकायत लेकर जनरल सर्जरी विभाग के आउटडोर में पहुंची। इस पर मरीज को भर्ती कर जांचें कराने पर पता लगा कि कोई खून का थक्का भोजन नली की सभी नसों में चला गया। इससे भोजन नली ने काम करना बंद कर दिया। इससे मरीज को भोजन के

बाद पेट में दर्द होने लगता है। साथ ही तिल्ली (Spleen) की खून की सप्लाई पूर्ण रूप से बंद हो गई और तिल्ली ने पूर्ण रूप से अपना काम करना बंद कर दिया और उसमें मवाद होना पाया गया। इसके चलते मरीज के तरल पदार्थ लेने पर भी पेट में दर्द रहने लगा और दिन प्रतिदिन वजन गिरने लगा। मरीज को पिछले करीब 20 दिन से लगातार उल्टी एवं सांस लेने में भी दिक्कत होने लगी।

छह घंटें बाद मरीज ने खाना-पीना शुरू किया

यह ऑपरेशन तीन घंटें तक चला और संक्रमित तिल्ली को मोरसिलेटर मशीन की मदद से बाहर निकाला गया। करीब छह घंटे बाद ही मरीज़ को खाना पीना एवं घूमना शुरू कर दिया। ऑपरेशन के अगले दिन से ही मरीज़ को दर्द से छुटकारा मिल गया। अब मरीज पूर्ण रूप से स्वस्थ है। उसको खून पतला होने की दवाइयां दी जा रही हैं, जिससे कि बाकी खून की नसों में जमा हुआ खून का थक्का भी निकल जाएं और वह पहले की तरह सामान्य जीवन जी सके।

ये रहे ऑपरेशन में शामिल

यह ऑपरेशन डॉ.जीवन कांकरिया सीनियर प्रोफ़ेसर एवं यूनिट हेड द्वारा किया गया। वहीं इस सर्जरी में डॉक्टर राम बाबू का सहयोग रहा। इसके अलावा ऑपरेशन में एनेस्थीसिया टीम डॉ. सुनील चौहान एवं डॉ. कंचन चौहान तथा नर्सिंग स्टाफ सुनील एवं दीपा का भी सहयोग रहा। डॉ. जीवन कांकरिया ने अब तक सबसे अधिक 39 रोबोटिक सर्जरी की है।

प्रतियोगिता: सेंट विल्फ्रेड कॉलेज ऑफ लॉ के छात्रों ने जीता प्रथम पुरस्कार

भावी वकीलों को अदालत का शानदार अनुभव दे गया मूट कोर्ट

बेधड़क | जयपुर

11वीं पंचवर्षीय विधि महाविद्यालय रांका राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता में सेंट विल्फ्रेड कॉलेज ऑफ लॉ, जयपुर ने प्रथम पुरस्कार जीता। पुरस्कार के रूप में कॉलेज की टीम को 15 हजार रुपए नकद पुरस्कार व प्रमाण पत्र दिया गया। मूट कोर्ट प्रतियोगिता का समापन सोमवार को हुआ। पंचवर्षीय विधि महाविद्यालय के सेमिनार हॉल में आयोजित समापन समारोह में मुख्य अतिथि राजस्थान उच्च न्यायलय के न्यायमूर्ति अनुप कुमार दंड थे और विशिष्ट अतिथि न्यायमूर्ति गोर्वधन बारदर (न्यायिक सदस्य सशस्त्र बल न्यायधिकरण, जयपुर), सेवानिवृत न्यायमूर्ति पी के लोढा, न्यायमूर्ति जे.के रांका और एनएलयू त्रिपुरा के कुलपति प्रो.योगश प्रताप थे।

समापन समारोह की अध्यक्षता राजस्थान विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. अल्पना कटेजा ने की। न्यायमूर्ति अनुप कुमार ढंड ने विजेता टीम को बधाई दी। न्यायमूर्ति गोवर्धन बारदर ने छात्रों को मूट कोर्ट के महत्व की जानकारी दी। न्यायमूर्ति जे के रांका ने छात्रों के तर्क कौशल को विकसित करने में मूट कोर्ट के योगदान पर प्रकाश डाला। लोकायुक्त न्यायमूर्ति पी के लोढा ने छात्रों को वकालत में मेहनत एवं ज्ञान के बारे में बताया। कार्यक्रम में विभिन्न राज्यों की कुल 40 टीमों ने भाग लिया। तीन दिन चली प्रतियोगिता मे दो प्रारंभिक दौर शामिल थे। क्वार्टर फाइनल, सेमीफाइनल और फाइनल राउंड जो तीन दिनो की अवधि में अयोजित किए गए।

प्रारंभिक दौर में क्वार्टर फाइनल के लिए 8 सर्वश्रेष्ठ टीमों का चयन किया गया था। फाइनल में सेंट विल्फ्रेड कॉलेज ऑफ लॉ जयपुर और लॉयड लॉ कॉलेज, नोयडा (यूपी) में मुकाबला हुआ था जिसमें सेंट विल्फ्रेड विजयी रही।

लॉयड कॉलेज ने जीता द्वितीय पुरस्कार

प्रतियोगिता में लॉयड कॉलेज, नोएडा द्वितीय स्थान पर रही। इसे 11 हजार रुपए के नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया। विवेकानन्द इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज, नई दिल्ली को 6000 रुपए का उत्तम मेमोरियल पुरस्कार मिला। केआईआईटी स्कूल ऑफ लॉ, भुवनेश्वर को सर्वश्रेष्ठ छात्र अधिवक्ता (अपीलार्थी) व आरवी इंस्टीट्यूट ऑफ लीगल स्टडीज, बेंगलुरू को सर्वश्रेष्ठ छात्र अधिवक्ता (प्रत्यार्थी) के रूप में 4000 रुपए का पुरस्कार मिला। किसान लॉ कॉलेज, जयपुर को सर्वश्रेष्ठ शोधकर्ता पुरस्कार मिला।

Yuva स्टोरीज

मीडिया की दुनिया से रू-ब-रू हुए स्टूडेंट्स

बेधड़क | जयपुर

छात्रों को प्रिंट और इलेक्ट्रोनिक मीडिया की दुनिया से परिचित कराने के मकसद से सीतापुरा स्थित इंडिया इंटरनेशनल स्कूल में दो दिवसीय संपादक सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में प्रिंट व इलेक्ट्रोनिक मीडिया कर्मियों ने हिस्सा लिया। आईआईएस यूनिवर्सिटी के जनसंचार विभाग के सहयोग से हुए संपादक सम्मेलन में विभिन्न स्कूलों की कई टीमें शामिल रहीं। प्रथम सत्र पत्रकारिता का परिचय रहा जिसका संचालन वरिष्ठ पत्रकार मुकेश माथुर ने किया। उन्होंने समाचार पत्र मुद्रण के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। दूसरा सत्र रेडियो पत्रकारिता पर रहा। इसमें आरजे कार्तिक ने विचार रखे। प्रतिभागियों ने एफएम रेडियो स्टूडियो का दौरा किया और आईसीजी में प्रोडक्शन स्टूडियो का दौरा किया। स्टूडियो स्टाफ ने छात्रों को संपादन की बारीकियों के बारे में बताया। आईआईएस की प्रिंसिपल डॉ. अंजू जयदीप ने रिसोर्स पर्सन और भाग लेने वाले स्कूलों का स्वागत किया। उन्होंने छात्रों के लिए नए युग के कॅरियर अवसर के रूप में मास मीडिया के महत्व को जोड़ा। उन्होंने कहा कि स्कूल आगामी सत्र से हायर सेकेंडरी में मास मीडिया एक विषय की पेशकश करेगा।

स्वयंसेवकों ने मनाया मानवाधिकार दिवस

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान विश्वविद्यालय के सेंटर ऑफ सोशल साइंस की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की ओर से सोमवार को मानवाधिकार दिवस पर एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अर्चना शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलित कर की गई। शर्मा ने एनएसएस आदर्श वाक्य 'मैं नहीं आप' व सामुदायिक सेवा के बारे में बताया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि मानवाधिकार कार्यकर्ता कविता श्रीवास्तव ने मानवाधिकार से संबधित विभिन्न अनुच्छेदों के बारे में बताते हुए विश्व बंधुत्व की भावना अपनाने के लिए प्रेरित किया। प्रो. निकी चतुर्वेदी ने कहा एनएसएस स्वंयसेवक समाज को सही दिशा में लेकर जाएं। उन्होंने जेंडर आधारित भेदवाव का खंडन करने पर चर्चा की। इस अवसर पर स्वंयसेवकों ने विभाग में श्रमदान भी किया। कार्यक्रम का संचालन स्वंयसेवकों द्वारा किया गया जिसमें सैकड़ों स्वंयसेवक मौजूद रहे।

आवेदन की आज अंतिम तिथि

अजमेर। महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय अजमेर के मुख्य परीक्षा- 2024 के आवेदन पत्र सौ रुपए लेट फीस के साथ जमा कराने की आज अंतिम तिथि है। बुधवार से आवेदन पत्र दुगुनी फीस के साथ जमा करवाए जा सकेंगे। विश्वविद्यालय ने मुख्य परीक्षा 2024 के आवेदन पत्र 8 दिसम्बर से 12 दिसम्बर 2023 तक 100 रुपए विलम्ब शुल्क के साथ भरने की सुविधा दी थी। प्रथम वर्ष एवं सेमेस्टर परीक्षाओं को छोड़कर शेष परीक्षाओं के आवेदन पत्र भरे जाएंगे। प्रथम वर्ष की परीक्षा आवेदन पत्र आगामी दिनों में भरे जाएंगे। इस वर्ष से प्रथम वर्ष में नई शिक्षा नीति के तहत सेमेस्टर स्कीम लागू की गई है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं राजस्थान सरकार के नियमानुसार नई शिक्षा नीति के तहत अभ्यर्थियों के क्रेडिट स्कोर एबीसी आईडी में मेंटेन किए जाएंगे। इसके तहत प्रत्येक अभ्यर्थी को अपनी एबीसी आईडी जनरेट करवाना अनिवार्य होगा। एबीसी आईडी जनरेट किए जाने के संबंध में विस्तृत दिशा निर्देश वेबसाइट पर अपलोड किए जा चुके हैं। अभ्यर्थी उनका पालन करते हुए आईडी जनरेट कर आवेदन पत्र भर सकते हैं।

जयपुरिया इंस्टीट्यूट में इंटर कॉलेज यूथ फेस्ट

फैशन के रंग, डीजे की बीट्स से गुलजार हुआ 'अभ्युदय'

बेधड़क | जयपुर

जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में चल रहे 17वें राष्ट्रीय अंतर-कॉलेज युवा उत्सव 'अभ्युदयः द यूथ राइजेज' के दूसरे दिन स्टूडेंट्स ने अपने हुनर के जलवे दिखाए। फैशन शो में फैशन के रंग बिखरे तो अंताक्षरी, फेस पेंटिंग, बिजनेस प्लान, बिजनेस क्विज जैसी प्रतियोगिताओं में छात्रों की लाजवाब प्रतिभा देखने को मिली। साथ ही डीजे नाइट में स्टूडेंट्स ने जमकर एंजॉय किया।

प्रतिभागियों और दर्शकों को उत्साहित करने के लिए बैटल ऑफ बैंड्स, ग्रुप डांस, अंताक्षरी, फेस पेंटिंग, बार्टर इट अप और कई अन्य मनोरंजक कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम की शुरुआत अंताक्षरी 'सरगम' से हुई, जिसे जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, जयपुर ने जीता।

फेस पेंटिंग प्रतियोगिता 'मेटामोर्फोसिस' हैलोवीन थीम पर हुई। इसमें कानोड़िया पीजी महिला महाविद्यालय ने पहला स्थान हासिल किया। 'नवीकरणीय ऊर्जा' विषय पर बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट 'क्रिएटोग्राफी' का पुरस्कार मेजबान जयपुरिया, जयपुर ने जीता।

'बज ऑफ बिज' में दिखाई बिजनेस स्किल्स

इसके बाद विभिन्न संस्थानों के छात्रों ने बिजनेस प्लान प्रतियोगिता 'मास्टर प्लान' में भाग लिया, जिसमें उन्होंने अपने बिजनेस आइडिया पेश किए। यह प्रतियोगिता टीम एमिटी यूनिवर्सिटी, जयपुर ने जीती। एक कमोडिटी एक्सचेंज प्रतियोगिता 'बार्टर इट अप' आयोजित की गई, जिसमें पहला स्थान जयपुरिया, जयपुर की साक्षी मालपानी और बिशाल भार्गव ने हासिल किया। बिजनेस ट्रेंड के बारे में छात्रों के ज्ञान का परीक्षण करने के लिए बिजनेस क्विज 'बज ऑफ बिज' आयोजित हुई, जिसमें जयपुरिया के स्टूडेंट्स विजयी रहे। इसके अलावा डांस कॉम्पिटिशन 'स्टेप अप' का विजेता जेईसीआरसी फाउंडेशन था। बैंड उत्सव 'रिफ-रफ' में एस.एस. जैन सुबोध पी.जी. कॉलेज की टीम विजेता रही। फैशन शो 'पनाश' में पहला स्थान जयपुरिया, जयपुर को मिला। दिन के कार्यक्रमों का समापन डीजे नाइट 'ट्रैपर एक्स' के साथ हुआ, जो रॉकिंग और मस्ती से भरपूर थी।

मंच पर दिखे विविधता में एकता के रंग

बेधड़क | जयपुर

मंच पर विविधता में एकता के रंग देखने को मिले तो हर कोई उत्साहित नजार आया। मौका था रवींद्र मंच पर डेफोडील्स स्कूल के एनुअल फंक्शन का जिसमें पावणों को निमंत्रण 'आओ जी पधारो म्हारे देश' खास रहा। इसके बाद जय हो पर दी गई प्रस्तुति में देश भक्ति देखने को मिली। चीफ गेस्ट डॉ. अखिल शुक्ला ने बच्चों को मोटिवेट करते हुए पुरस्कृत किया।

प्रो. अग्रवाल बने राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग का प्रो.श्याम मोहन अग्रवाल को विभागाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इस संबंध में विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. अल्पना कटेजा ने 9 दिसंबर को आदेश किए थे जिस पर कुलसचिव कालू राम ने प्रो. अग्रवाल को नियुक्ति दी है। प्रो. अग्रवाल की विभागाध्यक्ष के पद पर नियुक्ति प्रो. मंजू सिंह का कार्यकाल पूर्ण होने पर दिनांक 12 दिसंबर से तीन वर्ष या अग्रिम आदेश, जो भी पहले हो, तक के लिए की गई है। इसके अलावा हिन्दी विभाग की सहायक आचार्य डॉ. तारावती मीणा को, आवासाधिकारी, महारानी महाविद्यालय परिसर स्थित वीरांगना काली भील छात्रावास-1 & II के पद पर कार्यकाल में एक वर्ष के लिए अभिवृद्धि की गई है।

यंग टैलेंट्स | **एसआरएन स्कूल में 'एड्यूमेलिक्स' प्रदर्शनी में दिखी छात्रों की प्रतिभा**

क्रिएटिविटी के साथ दिया आगे बढ़ने का संदेश

बेधड़क | जयपुर

जगतपुरा स्थित एसआरएन इन्टरनेशनल स्कूल में स्टार्ट अप इंडिया, स्टैंड अप इंडिया, स्किल इंडिया तथा लाईफ स्किल एण्ड वैल्यू एजूकेशन पर आधारित प्रदर्शनी 'एड्यूमेलिक्स' सोमवार को शुरू हुई। चीफ कंजर्वेटर ऑफ फॉरेस्ट शैलजा देवल ने उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। मिस राजस्थान आंचल बोरा व सीए हर्षित जैन कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि थे। इस प्रदर्शनी के माध्यम से भारत सरकार की पहल मेक इन इंडिया के तहत स्कूल के कॉमर्स क्लब के माध्यम से आर्थिक सुधार के विविध आयामों को समाहित किया गया। स्पोर्टस् क्लब की ओर से फिट इंडिया को दर्शाया गया तथा खेलो इण्डिया को प्रदर्शित कर खेलों को अपनाने का संदेश दिया गया। स्टार्ट अप इंडिया क्लब की ओर से छात्रों ने उद्यमिता के महत्व को अनेक उदाहरणों द्वारा समझाया। स्कूल के स्टूडेंट्स ने अपने-अपने वर्किंग प्रोजेक्ट फाईल, मॉडल व चार्ट के माध्यम से प्रस्तुत कर अपने सपनों के नए भारत का प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शनी में 'हेरीटेज क्लब' ने भारत के विभिन्न प्रांतों के कल्चर को दर्शाया। 'रामानुजन मैथ्स सोसायटी' क्लब के स्टूडेंट्स ने जयपुर के जंतर-मंतर की कैल्कुलेशन को प्रस्तुत किया।

स्टूडेंट्स की दूरदर्शिता प्रशंसनीय

मुख्य अतिथि शैलजा देवल ने विद्यार्थियों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि 'लाईफ स्किल एण्ड वैल्यू एजूकेशन' प्रदर्शनी में विद्यार्थियों द्वारा बने हुए मॉडलों को देखकर लगता है कि विद्यार्थियों ने अथक प्रयास व मेहनत से विषय-वस्तु को पूरी तरह जीवंत कर दिया है। विशिष्ट अतिथि आंचल बोरा व विशेष अतिथि हर्षित जैन ने विद्यार्थियों के प्रयास की सराहना की। विद्यालय चेयरमेन रवि शंकर ने विद्यार्थियों के प्रयत्नों को देखकर कहा कि दूरदर्शिता और कल्पनाशील अभिव्यक्ति को विभिन्न मॉडल एवं प्रोजेक्ट के माध्यम से देखकर लग रहा है कि भारत कितनी तेजी से उन्नति की ओर अग्रसर हो रहा है।
विद्यालय प्राचार्या उषा शर्मा ने कहा कि इस प्रकार की प्रदर्शनी के माध्यम से विषयों का प्रयोगात्मक अध्ययन होता है जिससे विद्यार्थियों को विषय वस्तु समझने में आसानी रहती है।

हवा से पानी बनाने की प्रक्रिया का किया प्रदर्शन

ग्रीन पैंथर क्लब के स्टूडेंट्स ने 'फॉरमेशन ऑफ ड्रीनकेवल वाटर फ्रॉम एयर' में हवा से पीने का पानी तैयार करने के मैथड का प्रदर्शन किया। 'रेड-एक्स अग्रेजी क्लब' शेक्सपीयर को व 'लीगल लिट्रेसी' क्लब संविधान के आजादी का अमृत महोत्सव को समर्पित था तथा 'गट्स साईन्स क्लब' ने मोबाईल फोन से दूरस्थ जगह से घर की लाईट को कंट्रोल करने का प्रोजेक्ट बनाया। कैम्ब्रिज बोर्ड के विद्यार्थियों ने 'एडवनटूवर' प्रोजेक्ट द्वारा विश्व की सैर कराई। प्रदर्शनी में विशेष आकर्षक विषय-वस्तु रॉबोटिक, विद्युत संग्रहण तकनीकी, स्वच्छ भारत, संस्कृत भारत की आत्मा, वैदिक शिक्षा, ओजोन परत बचाव, ऊर्जा संरक्षण मशीन, तम्बाकु सेवन के दुष्प्रभाव, जंक फूड के शरीर पर दुष्प्रभाव सूर्य ग्रहण व चन्द्र ग्रहण की विज्ञान व विभिन्न सामाजिक अवधारणाओं पर आधारित वर्किंग मॉडल्स का प्रदर्शन किया गया।

तकनीक से ज्यादा हिमाकत है डीपफेक

प्रेम प्रकाश
स्वतंत्र टिप्पणीकार

कला की सृजनधर्मिता को हर दौर में सकारात्मक माना गया है। इस सकारात्मकता की धुरी पर मानवीय सरोकारों से जुड़ी सोच और विचारधारा के नए-नए स्कूल बने। आधुनिक कला यात्रा में तो फिल्म से लेकर कैनवस तक तकनीक की भी खूब मदद ली गई। पर अब तकनीक का वर्चस्ववादी स्वरूप देखने को मिल रहा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के साथ साइबरी दुनिया में आज जो कुछ चल रहा है, वह एक तरफ तो आधुनिक मनुष्य की सफलता को दिखाता है, वहीं इससे यह भी जाहिर होता है कि मनुष्यता के साथ खिलवाड़ अब कितना सरल हो गया है। तकनीकी धुरंधरों के जो कयास और आकलन हैं, उनमें एआई के साथ मानवीय संबंध, समाज और उससे जुड़े सारे सरोकार धराशायी हो जाएंगे। यही नहीं, जिस बाजार का हौसला बढ़ाने के लिए ये सारा उपक्रम है, वह भी आज इसके डर के साए में है। ऐसा इसलिए कि बीते तीन-चार दशकों में बाजार और समाज के बने-बिगड़े संबंध के बीच लालच और सफलता जैसे तत्व जरूर हावी हुए, पर इस दौरान भी उदारता का मनोविज्ञान और संवेदना का समाजशास्त्र पूरी तरह से खारिज नहीं हुआ। अब यह गनीमत भी हाथ से फिसलती दिख रही है। इस साल मई में जब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जनक कहे जाने वाले जेफ्री हिंटन ने गूगल छोड़ा तो काम को लेकर उनकी चिंता और असहजता से दुनिया वाकिफ हुई। उन्होंने जिस तकनीक को विकसित करने में मदद की, उसके खतरों को लेकर कहा, 'मैं खुद को सांत्वना देता हूं कि यदि मैंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर काम नहीं किया होता तो कोई और करता। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हम इस तकनीक का गलत इस्तेमाल होने या गलत हाथों में पड़ने से कैसे रोक सकते हैं।' हिंटन की चिंता ने पूरी दुनिया को हतप्रभ किया। सबको लगा कि तकनीक के जिस पराक्रम को लेकर वे उत्सुकता और रोमांच का अनुभव कर रहे हैं, क्या वह एआई इतनी खतरनाक साबित होने जा रही है। एआई के क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा को रोकना असंभव होगा, अपने बेहतरीन कार्य के लिए कंप्यूटिंग का नोबेल पुरस्कार पा चुके हिंटन का यह कथन आज सच साबित हो रहा है।

> *रील और वीडियो की इस दुनिया शुरू में तो एडिटिंग की मामूली और आमतौर पर पहचानी जाने वाली हिमाकत शुरू हुई। पर अब यह हिमाकत एक तकनीकी सुनामी की तरह हमारे करीब पहुंच रही है। फेक से डीपफेक हो चुकी इस यात्रा के शुरुआती अनुभव ही इतने डरावने हैं कि दुनियाभर की सरकारें और वैश्विक समाज का हर तबका इसको लेकर आज गहरी चिंता में है।*

हमारे इर्द-गर्द देखते-देखते नकली इमेज और टेक्स्ट वाली एक ऐसी अथाह दुनिया आकार ले रही है, जिसने सच और मौलिकता जैसे सवालों को बेमानी साबित कर दिया है। गौरतलब है कि कंप्यूटर और सॉफ्टवेयर की दुनिया में क्रांति का फ्रंट फेस पहले दिन से छवियों का रोमांच रहा है। यही वजह है कि बात करने की सहूलियत के लिए जो मोबाइल फोन हमारे हाथ आया, आज वह कैमरे से आगे के मुकाम पर है। देखते-देखते पूरी दुनिया छवियों का एक ऐसा अनंत उत्सव मनाने में जुट गई, जिसमें रियल को रील में देखने का शगल हमारे रोजमर्रा में शामिल हो गया। रील और वीडियो की इस दुनिया शुरू में तो एडिटिंग की मामूली और आमतौर पर पहचानी जाने वाली हिमाकत शुरू हुई। पर अब यह हिमाकत एक तकनीकी सुनामी की तरह हमारे करीब पहुंच रही है। फेक से डीपफेक हो चुकी इस यात्रा के शुरुआती अनुभव ही इतने डरावने हैं कि दुनियाभर की सरकारें और वैश्विक समाज का हर तबका इसको लेकर आज गहरी चिंता में है। गौरतलब है कि डीपफेक सामग्री को सबसे पहले 2014 में सिंथेटिक मीडिया कहा गया था। बाद में इसकी लोकप्रियता बढ़ती गई। 2017 में एक रेडिट यूजर ने एक अश्लील वीडियो बनाने के लिए इसका इस्तेमाल किया।

वीडियो में मशहूर हस्तियों के चेहरे पोर्न कलाकारों के चेहरे पर बदल दिए गए थे। इस मामले पर रश्मिका ने कहा कि यह बहुत डरावना है, बल्कि इस बारे में में तत्परता के साथ सोचने और निर्णय लेने की जरूरत है। वैसे इस निर्णायक तत्परता तक पहुंचना आसान नहीं है। क्योंकि एक तरफ तो एआई और उससे जुड़ी डीपफेक तकनीक को लेकर वैश्विक कौतुहल है, वहीं इसे इस्तेमाल के लिए अनगिनत हाथ आग बढ़ रहे हैं। इस बारे में 'द गार्जियन' में छपे एक लेख में तफसील से बताया गया है कि कैसे ऐसे कंटेंट जेनरेट करने में एल्गोरिदम का इस्तेमाल किया जाता है। एनकोडर नामक एआई एल्गोरिदम के माध्यम से दो लोगों के चेहरे के बीच समानता ढूढ़ी जाती है और अन्य इमेज संपादित की जाती है। दूसरे एल्गोरिदम डिकोडर से कंप्रेस्ड तस्वीरों से चेहरे को दोबारा हासिल करना सिखाया जाता है। एनकोडर और डिकोडर के अलग-अलग कमांड से काम किया जाता है।

इस पूरे मामले में जो सबसे चिंताजनक पहलू है, वह यह कि दस में से नौ डीपफेक की शिकार महिलाएं हैं। इतिहास में महिला अस्मिता के सामने इतना बड़ा खतरा शायद ही कभी खड़ा हुआ हो। एआई के रास्ते आए इस खतरे ने निजता और यौनिकता के हर दायरे को अप्रासंगिक बना दिया है। यही नहीं, किस महिला की छवि, किसके हाव-भाव कब और कहां एक आभासी प्रपंच रच रहे हों, इसका अंदाजा लगाना भी मुश्किल है। इस बारे में समाज और सरकार दोनों ही स्तर पर एक ग्लोबल पहल मौजूदा समय की बड़ी दरकार है। अगर इस दरकार को नजरअंदाज किया जाता है तो छवियों के साथ जुड़ी कलात्मकता की दुनिया का तकनीकी हश्र इतना भयावह होगा कि हम खुद अपने सभ्यतागत चिरत्र और अनुभव पर हमेशा के लिए शर्मिंदा हों।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)

राज्यसभा सांसद धीरज साहू के यहां छापे

कालेधन की महिमा अपरम्पार

प्रमोद भार्गव
वरिष्ठ साहित्यकार
व पत्रकार

झारखंड से राज्यसभा सदस्य और शराब कारोबारी धीरज साहू और उनके करीबियों के ठिकानों पर आयकर विभाग द्वारा की गई छोपमारी में 300 करोड़ से भी ज्यादा की नगद धनराशि बरामद हुई है। माना जा रहा है कि किसी एक अभियान में अब तक बरामद हुआ यह सबसे अधिक बेहिसाबी धन हैं। यह धन 10 अलमारियों में ठूंसा हुआ था। अभी भी कुछ कमरे और नौ लॉकर खोले जाने बाकी हैं। अतएव धनराशि और भी बढ़ सकती है। इसके पहले कानपुर के इत्र कारोबारी पियूष जैन के ठिकानों से अरबों की काली कमाई मिली थी। इस व्यापारी के पास से 280 करोड़ रुपए नकद, 250 किलो चांदी, 23 किलो सोने की ईंटें बरामद की गई थीं। 6 करोड़ का 600 किलो चंदन और 400 करोड़ की अचल संपत्ति के दस्तावेज भी मिले थे। देश उस समय भी दंग रह गया था, जब पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सरकार के मंत्री पार्थ चटर्जी की महिला मित्र के यहां से 50 करोड़ रुपए नगद बरामद किए गए थे। उन्होंने यह धन शिक्षकों की भर्ती में धांधली करके जुटाया था। ममता ने तो नैतिकता का पालन करते हुए पार्थ को मंत्री पद से हटा दिया था, लेकिन कांग्रेस ने धीरज साहू को लेकर अभी तक कोई फैसला नहीं लिया है। इसके उलट धीरज को बड़ा और पुश्तैनी उद्योगपति बताकर उनका बचाव किया जा रहा है। झारखंड की ही आईएएस पूजा सिंघल के करीबी के यहां से प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों ने नगद 17 करोड़ रुपए बरामद किए थे। पूजा खनिज विभाग से जुड़ी थीं। इससे जाहिर होता है कि अधिकारी, ठेकेदार और नेताओं का गठजोड़ बड़े पैमाने पर गोरखधंधों में लिप्त हैं। आखिर काले धन के ये कुबेर रातोंरात इतना बड़ा साम्राज्य खड़ा करने में कैसे सफल हो रहे हैं।

> *राजग सरकार सत्ता में आई है तब से लगातार यह दावा करती रही है कि विदेशों में जमा काला धन देश में वापस लाने और देश के भीतर कालाधन पैदा न हो इस मकसद पूर्ति के लिए ठोस व कारगर कोशिशें की गई हैं। बावजूद न तो कालाधन वापस आया और न ही नया कालाधन बनने से रुक पाया।*

यह सवाल तब और महत्वपूर्ण हो जाता है, जब अनेक कानून ऐसे बना दिए गए हैं, जिनके चलते काली कमाई सृजित ही न होने पाए? कालेधन की महिमा अपरंपार है। इसे देश में ही रोकने के लिए नरेंद्र मोदी सरकार ने कई नए कानून बनाए और नोटबंदी भी की, लेकिन नतीजा शून्य रहा। उल्लू पर सवार लक्ष्मी के विदेश में ठिकाने अभी भी बने हुए हैं। यह देश की कानून और अर्थव्यवस्था के लिए चिंता का सबब है। स्विट्जरलैंड के केंद्रीय बैंक द्वारा जारी सालाना रिपोर्ट के आंकड़ों के मुताबिक भारतीयों का निजी एवं कंपनियों का धन स्विस बैंकों में साल 2020 में बढ़कर करीब 20,700 करोड़ रुपए हो गया है।

यह धन स्विस बैंकों की भारतीय शाखाओं और अन्य वित्तीय संस्थानों के जरिए पहुंचाया गया। स्विस नेशनल बैंक के अनुसार यह धन 2019 की तुलना में 3.12 गुना ज्यादा है। राजग सरकार सत्ता में आई है तब से लगातार यह दावा करती रही है कि विदेशों में जमा काला धन देश में वापस लाने और देश के भीतर कालाधन पैदा न हो इस मकसद पूर्ति के लिए ठोस व कारगर कोशिशें की गई हैं। बावजूद न तो कालाधन वापस आया और न ही नया कालाधन बनने से रुक पाया। हालांकि राजग सरकार ने कालाधन पर अंकुश लगे, इस दृष्टि से ऐसे कानूनी उपाय जरूर किए हैं, जो कालेधन के उत्सर्जन पर अंकुश लगाने वाले हैं। लेकिन स्विस बैंक द्वारा जारी आंकड़ों और धीरज साहू और पियूष जैन के ठिकानों से मिले कालाधन ने साफ कर दिया है कि ये उपाय महज हाथी के दांत हैं। हालांकि मोदी सरकार ने कालेधन पर अंकुश के लिए 'कालाधन अघोशित विदेशी आय एवं जायदाद और आस्ति विधेयक-2015' और कालाधन उत्सर्जित ही न हो, इस हेतु 'बेनामी लेनदेन; निशेध विधेयक अस्तित्व में ला दिए हैं। ये दोनों विधेयक इसलिए एक दूसरे के पूरक माने जा रहे थे, क्योंकि एक तो आय से अधिक काली कमाई देश में पैदा करने के स्रोत उपलब्ध हैं, दूसरे इस कमाई को सुरक्षित रखने की सुविधा विदेशी बैंकों में हासिल है। लिहाजा कालाधन फल फूल रहा है। दोनों कानून एक साथ वजूद में आने से यह उम्मीद जगी थी कि कालेधन पर कालांतर में लगाम लगेगी, लेकिन नतीजा ढांक के तीन पात रहा। सरकार ने कालाधन अघोशित विदेशी आय एवं जायदाद और कर आरोपण-2015 कानून बनाकर कालाधन रखने के प्रति उदारता दिखाई थी। इसमें विदेशों में जमा अघोशित संपत्ति को सार्वजानिक करने और उसे देश में वापस लाने के कानूनी प्रावधान हैं। दरअसल कालेधन के जो कुबेर राष्ट्र की संपत्ति राष्ट्र में लाकर बेदाग बचे रहना चाहते हैं, उनके लिए अघोषित संपत्ति देश में लाने के दो उपाय सुझाए गए हैं। वे संपत्ति की घोषणा करें और फिर 30 फीसदी कर व 30 फीसदी जुर्माना भर कर शेश राशि का वैध धन के रूप में इस्तेमाल करें। इस कानून में प्रावधान है कि विदेशी आय में कर चोरी प्रमाणित होती है तो 3 से 10 साल की सजा के साथ जुर्माना भी लगाया जा सकता है।

इसी प्रकृति का अपराध दोबारा करने पर तीन से 10 साल की कैद के साथ 25 लाख से लेकर एक करोड़ रुपए तक का अर्थ-दण्ड लगाया जा सकता है। जाहिर है, कालाधन घोषित करने की यह कोई सरकारी योजना नहीं थी। अलबत्ता अज्ञात विदेशी धन पर कर व जुर्माना लगाने की ऐसी सुविधा थी, जिसे चुका कर व्यक्ति सफेदपोश बना रह सकता है। ऐसा ही उपाय प्रधानमंत्री पीवी नरसिंह राव ने देशी कालेधन पर 30 प्रतिशत जुर्माना लगाकर सफेद करने की सुविधा दी थी। इस कारण सरकार को करोड़ों रुपए बतौर जुर्माना मिल गए थे, अरबों रुपए सफेद धन के रूप में तब्दील होकर देश की अर्थव्यस्था मजबूत करने के काम आए थे। कालाधन उत्सर्जित न हो, इस हेतु दूसरा कानून बेनामी लेनदेन पर लगाम लगाने के लिए लाया गया था। इस संशोधित विधेयक में बेनामी संपत्ति की जब्ती और जुर्माने से लेकर जेल की हवा खाने तक का प्रावधान है। साफ है,यह कानून देश में हो रहे कालेधन के सृजन और संग्रह पर अंकुश लगाने के लिए हैं, लेकिन ठीक से अमल नहीं हो पा रहा है।

अभी तक देश में यह साफ नहीं है, कि आखिरकार कालाधन बनता कैसे है? अर्थशास्त्र में भी इसकी कोई स्पष्ट परिभाषा निर्धारित नहीं है। कुछ अर्थशास्त्री इसे समानांतर अर्थव्यवस्था के नाम से जानते हैं, तो कुछ इसे काली या अवैध कमाई का हिस्सा मानते है। वैसे कालाधन वह राशि होती है, जो लेखे-जोखे और आयकर से बाहर रख ली जाती है। सरकारी अधिकारी, कर्मचारी इसे भ्रष्टाचार के जरिए सृजित करते हैं। इस राशि को स्विस बैंकों में तो जमा किया ही जाता है, अलबत्ता देश में इसे मनोरंजन, भोग-विलास, सट्टेबाजी, चल-अचल संपत्ति की खरीद-फरोक्त, सोने-चांदी की खरीद, चुनावों में वित्त-पोशण और पेड न्यूज में भी खर्च किया जाता है। देशी-विदेशी पर्यटन, महंगी और विदेशी शिक्षा व इलाज में भी इस राशि का खूब इस्तेमाल हो रहा है। गोया, भ्रश्टाचार और अपराध इसी के सह-उत्पादों के रूप में सामने आ रहे हैं। गुलाबी अर्थव्यवस्था के पैरोकार इसे ही समानांतर अर्थव्यवस्था मानते हुए, इसे बने रहने की दलीलें देते रहते हैं, जबकि यह धनराषि कल्याणकारी योजनाओं को पलीता लगाने के साथ नागरिकों के बीच आर्थिक विसंगति बढ़ाने का काम कर रही है। अतएव कालेधन के उत्सर्जन पर प्रतिबंध हर हाल में लगना ही चाहिए?

(यह लेखक के निजी विचार हैं)

नॉलेज कॉर्नर: 230 बिलियन डॉलर के करीब थी संपत्ति

अंबानी-टाटा से भी रईस थे निजाम मीर उस्मान

भारत को पूरी दुनिया में सोने की चिड़िया कहा जाता था। भारत के राजघरानों में भी बहुत धन हुआ करता था। देश में आजादी से पहले कई शाही राजघराने थे, इन घरानों में बेशुमार संपत्ति हुआ करती थी। इन राजघरानों में हैदराबाद के नवाब का भी नाम आता है। बता दें कि आजादी के वक्त देश 565 छोटी रियासतों में बंटा हुआ था, लेकिन आजादी के बाद इन रियासतों का भारतीय संघ में विलय कराया गया। कुछ रियासतों ने शुरूआत में विलय करने से मना कर दिया था, इनमें से एक हैदराबाद रियासत के निजाम मीर उस्मान अली खान भी थे। निजाम मीर उस्मान अली खान हैदराबाद को एक स्वतंत्र रियासत बनाना चाहते थे।अधिक जानते हैं आज के नॉलेज कॉर्नर में...

इतनी संपत्ति के मालिक थे नवाब

मीर उस्मान अली खान साल 1911 से लेकर 1948 तक तक हैदराबाद शाही घराने के नवाब थे। उनकी कुल संपत्ति तकरीबन 230 बिलियन डॉलर के करीब थी। ऐसा माना जाता है कि निजाम के पास 185 कैरट का हीरा था, जिसका वह पेपर-वेट के रूप में किया करते थे। इसे जैकब हीरा के नाम से भी जाना जाता है। जानकारी के मुताबिक अभी यह हीरा भारत सरकार के पास संरक्षित है। वहीं यह भी कहा जाता है है कि निजाम ने एलिज़ाबेथ-2 के शादी में उनको हीरे का हार उपहार के तौर पर दिया था। इस हार को महारानी आखिरी सांस तक पहने रखा था।

गुमनाम जिंदगी जी रहे हैं नवाब के वारिस

निजाम के वारिस अब गुमनामी की जिंदगी जी रहे हैं। निजाम ने कई बेटों में से अपने किसी भी बेटे को अपना वारिस नहीं चुना था। बाद में निजाम ने ग्रैंड सन मुकर्रम जहां को अपना वारिस बनाया था। मुकर्रम की मां और पहली पत्नी भी तुर्की की ही रहने वाली थीं। इस समय में मुकर्रम जहां तुर्की के शहर इस्तांबुल के एक फ्लैट में रहते हैं। इससे पहले वह ऑस्ट्रेलिया में रहते थे। एक समय ऐसा आया जब मुकर्रम जहां के पास अपने मुकदमे की पैरवी के लिए वकील की फीस भरने के भी पैसे नहीं रहे। मुकर्रम ने 5 शादियां की। उन्होंने तीसरा विवाह मिस तुर्की रह चुकी महिला से किया था।

25 की उम्र में निजाम

उस्मान अली खान 1911 में 25 साल की उम्र में गद्दी पर बैठे थे। उन्होंने हैदराबाद के आखिरी निजाम के रूप में 1948 तक शासन किया था। बता दें कि उन्हें दुनिया के सबसे धनी लोगों में से एक माना जाता था। निजाम के लिए आय का सबसे बड़ा स्रोत गोलकोंडा की खदानें थीं, जिनके वे मालिक थे। 24 फरवरी 1967 को उनकी मृत्यु हुई थी। कंटेंट: कुलदीप सिंह जादौन

व्यंग्य

रायबहादुर

संतोष दिवाकर
स्वतंत्र टिप्पणीकार

एक कहावत है नमक और सलाह/ राय बिना मांगे नहीं देना चाहिए परंतु हमारे समाज में ऐसे रायबहादुर लोग हैं जो बिना मांगे राय/सलाहों से आपकी झोली भर देंगे और यदि आपने उनसे राय मांग ली तो वह सलाहों की बरसात कर देंगे। अंग्रेजों के जाने के बाद लोगों ने सोचा कि अब रायबहादुरों के आतंक, अत्याचार से मुक्ति मिलेगी क्योंकि स्वतंत्रता के बाद सरकार ने रायबहादुर की उपाधि देना बंद कर दिया। लेकिन यहां तो उलटी गंगा बहने लगी, पहले तो कुछ गिने-चुने लोगों को ही अंग्रेज रायबहादुर की उपाधि दिया करते थे जो उनकी हां में हां मिलाते रहते थे; लेकिन अब तो हर गली, मोहल्ला एवं चौक-चौराहा पर रायबहादुर मिल जाएंगे, कुछ राय बहादुर प्रायोजित होते हैं जो किसी खास व्यक्ति के पक्ष में माहौल बनाते हैं, तो कुछ खास व्यक्ति के विरुद्ध माहौल बनाने का काम करते हैं और कुछ स्वतंत्र उम्मीदवार होते हैं जो हर घटना पर अपनी उटपटांग राय को लोगो पर थोपते रहते हैं।

जिन्होंने कभी क्रिकेट के बल्ला को हाथ से छुआ तक नहीं वो भी लाला अमरनाथ, गावस्कर, कपिलदेव, सचिन से लेकर नई पौध शुभमन गिल तक के बल्लेबाजी में खामियां गिनाते नजर आएंगे। विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया से फाइनल में हारने के बाद भारत ने ऑस्ट्रेलिया को T20 मैच में क्या हराया अब यहां उल्टी गंगा बह रही है, जो लोग टीम को कोस रहे थे अब तारीफ के पुल बांध रहे हैं। रायबहादुरों ने अंग्रेजों के समय अच्छी धन संपत्ति अर्जित की और आज के रायबहादुर धन के लिए लोगों के बीच रार और तकरार करवा रहे हैं।

जीत, जीत होती है और हार हार होती है लेकिन कभी-कभी आदमी जीत कर भी हार जाता है और हार कर भी जीत जाता है। जैसे 2020 के यूएस ओपन में जोकोविच द्वारा खेल के दौरान उनके द्वारा मारे गए शॉट से एक लाइनमैन को गेंद से चोट लगी और उन्हें दंड में वाक ओवर देना पड़ा, पर पूरा स्टेडियम उनके सम्मान में खड़ा हो गया और एक विजयी खिलाड़ी की भांति जोकोविच ने कोर्ट से विदा लिया। आज के जमाने के रायबहादुर नैतिकता की बात करते है और स्वयं नैतिकता से कोसो दूर रहते हैं। आज नैतिकता की बात करना ही सबसे बड़ी अनैतिकता है। कविवर नेपाली के शब्दों में - जो रमे महल-महल त्याग वो सीखा रहे, राह जो भटक गए राह वो दिखा रहे।

भारतीय टीम विश्व कप जीतने से वंचित क्या रही लोग नुक्ताचीनी करने लगे, कोई किसी को पहले आने के बारे में कह रहा है तो कोई किसी को बाद में बुलाने के बारे में कह रहा है तो कोई फील्डिंग में कमजोरी की बात कर रहा है तो कोई गेंदबाजी में खामी निकल रहा है। यदि भारत विश्व कप जीत जाता तो ये सारे रायबहादुर जो अभी जिन बातों की खामियां गिना रहे है, उन सबों में खूबियां नजर आती। यही हाल राजनीति का भी है। हाल में संपन्न हुए राज्यों के चुनाव के परिणामों पर राय बहादुर अपनी राय बांट रहे हैं, कोई इसे सेमीफाइनल कहता है तो कोई उसे प्री बोर्ड कहता है। आम चुनाव होने में 6 माह बाकी है लेकिन राय बहादुर की खास रपट हाल में संपन्न हुए चुनाव के बाद आनी शुरू हो गई है। सिर्फ अगला प्रधानमंत्री कौन होगा इसकी ही बात नहीं कर रहे हैं बल्कि किस क्षेत्र से किसको टिकट मिलेगा यह भी बता रहे है। सामान्य रूप से किसी भी रिपोर्ट का नेगेटिव आना अच्छा नहीं माना जाता है लेकिन कोरोना काल में नेगेटिव होना ही पॉजिटिव समाचार माना जाता था। लेकिन हमारे राय बहादुर के लिए तो किसी भी समाचार को पॉजिटिव से नेगेटिव और नेगेटिव से पॉजिटिव बनाना उनके बाएं हाथ का खेल हैऔर इस तरह राय बहादुरों की दुकान चलती रहती है!

अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री
@amitshah
हम सदैव कश्मीर के हैं और कश्मीर हमारा...

अशोक गहलोत, निवर्तमान मुख्यमंत्री
@ashokgehlot51
विधानसभा चुनावों के परिणाम के 8 दिन बीत जाने के बाद भी BJP अपने मुख्यमंत्री नहीं चुन पाई है। इससे ध्यान भटकाने के लिए एक राज्यसभा सांसद के घर हुई IT की कार्रवाई को लेकर प्रदर्शन कर मुद्दा बनाने का असफल प्रयास कर रही है।

जनता दल (एस) में अंतर्कलह: देवेगौड़ा के राजग में शामिल होने के फैसले का विरोध

बागी गुट ने देवेगौड़ा को हटाया, नानू को किया राष्ट्रीय अध्यक्ष घोषित

एजेंसी | बेंगलुरु

जनता दल (सेक्युलर) के बागी गुट ने पार्टी के निष्कासित नेता सी.के. नानू को सोमवार को अपना नया राष्ट्रीय अध्यक्ष घोषित किया। बागी गुट ने 'इंडिया' गठबंधन को अपना समर्थन देने का ऐलान किया है।

जद (एस) से निष्कासित सी.एम. इब्राहिम जैसे नेताओं की अगुवाई वाले बागी गुट ने पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा के स्थान पर पार्टी के पूर्व उपाध्यक्ष नानू को अपना नेता चुना है। केरल के पूर्व मंत्री नानू द्वारा यहां बुलाई गई एक पूर्ण बैठक में खुद को असली जद (एस) बताने वाले बागी खेमे ने देवेगौड़ा के भारतीय जनता पार्टी नीत राजग में शामिल होने के फैसले का विरोध जताया और विपक्षी दलों के 'इंडिया' गठबंधन को समर्थन की घोषणा की।

बागी गुट ने निर्वाचन आयोग के पास जाने और पार्टी पर अपना दावा ठोकने के लिए आवश्यक कानूनी कदम उठाने का भी फैसला किया है।

देव गौड़ा

नानू

यह है आगे की योजना

- बागी गुट निर्वाचन आयोग के पास जाएगा
- पार्टी पर दावे के लिए कानूनी कदम उठाएगा

नानू व इब्राहिम को कर दिया था पार्टी से निष्कासित

देवेगौड़ा के नेतृत्व वाले जद (एस) ने शनिवार को बगावती तेवर अपनाने वाले इब्राहिम और नानू को पार्टी विरोधी गतिविधियों के लिए निष्कासित कर दिया था। पूर्व केंद्रीय मंत्री इब्राहिम ने देवेगौड़ा पर तंज कसते हुए कहा, दो लोकसभा सीट और अपने बच्चों के हित के लिए 92 साल की उम्र में आपने विचारधारा का त्याग कर दिया। उन्होंने कहा, हमने आपको तीन बार मौका दिया - 16 अक्टूबर को हमने यहां एक बैठक की, नौ नवंबर को हमने केरल में एक बैठक की और भाजपा के साथ जाने का फैसला बदलने का अनुरोध किया, लेकिन आपने ऐसा नहीं किया। इब्राहिम ने कहा कि आखिरकार बेंगलुरु में एक पूर्ण बैठक में, हमने देवेगौड़ा को अध्यक्ष पद से हटा दिया है और नानू को नया राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना है। हमने उन्हें सभी राज्य समितियों के गठन की शक्तियां दी हैं।

विचारधारा के खिलाफ काम करने का आरोप

इब्राहिम ने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में देवेगौड़ा ने पार्टी की धर्मनिरपेक्ष विचारधारा के खिलाफ निर्णय लिया। उन्होंने कहा, हमारी पार्टी का संविधान कहता है कि किसी भी सांप्रदायिक पार्टी के साथ कोई संबंध नहीं होना चाहिए, यदि ऐसे संबंध हैं, तो ऐसा व्यक्ति जद (एस) का सदस्य नहीं हो सकता है। चूंकि देवेगौड़ा विचारधारा के खिलाफ गए हैं, इसलिए आज पूर्ण सत्र में उन्हें हटा दिया गया और उनकी जगह नए अध्यक्ष को नियुक्त किया गया।

पांच विधायकों के बैठक में शामिल होने का दावा

इब्राहिम ने दावा किया कि पूर्ण बैठक में विभिन्न राज्यों के नेताओं ने भाग लिया और पार्टी मामलों पर चर्चा हुई। कर्नाटक से मैं और नादगौड़ा, महिमा पटेल जैसे समान विचारधारा वाले नेता और पांच विधायक मौजूद थे। मेरे बुलाए बिना ही पांच विधायक आए थे, मैं अब उनके नाम उजागर नहीं करना चाहता।

साय कल लेंगे शपथ, प्रधानमंत्री मोदी रहेंगे मौजूद

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति में छत्तीसगढ़ के नए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और मंत्रिमंडल के सदस्य बुधवार 13 दिसम्बर को शपथ लेंगे। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि बुधवार को राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में दोपहर दो बजे शपथ ग्रहण समारोह आयोजित होगा। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी के साथ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे. पी. नड्डा, केन्द्रीय सह प्रभारी नितिन नबीन सहित अनेक राज्यों के मुख्यमंत्री और वरिष्ठ नेता मौजूद रहेंगे।

मतपत्रों के जरिए कराएं मतदान: अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) से मतदान कराए जाने पर निशाना साधते हुए सोमवार को कहा कि झूठे प्रचार के जरिए खुद को अव्वल बताने वाली सत्तारूढ़ भाजपा दुनिया के अव्वल देश की तरह मतदान पत्र (बैलेट पेपर) के जरिए वोट डलवाए। सपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजेन्द्र चौधरी ने यहां बताया कि पार्टी प्रमुख ने सैफई में संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि जनता को ठगने में भाजपा सरकार नम्बर एक है। चौधरी के मुताबिक अखिलेश ने कहा, सिर्फ प्रचार, झूठ और भ्रष्टाचार पर भाजपा की नींव टिकी है। किसी कम्पनी को आप पैसा दे दीजिए और कम्पनी बताएगी कि आप दुनिया में नम्बर वन हैं।

मध्य प्रदेश: भाजपा ने नेतृत्व के लिए नई पीढ़ी को दिया मौका

लोगों की उम्मीदों को पूरा करने के लिए काम करूंगा: यादव

एजेंसी | भोपाल

मध्य प्रदेश के मनोनीत मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने सोमवार को कहा कि वह राज्य के लोगों की उम्मीदों को पूरा करने के लिए काम करेंगे। उन्होंने उनके जैसे 'छोटे कार्यकर्ता' पर भरोसा जताने के लिए भाजपा के नेतृत्व के प्रति आभार जताया। पार्टी ने घोषणा की है कि राजेंद्र शुक्ला और जगदीश देवड़ा राज्य के उपमुख्यमंत्री होंगे। पूर्व केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर राज्य विधानसभा के अध्यक्ष होंगे। पार्टी ने इन नियुक्तियों के माध्यम से अगामी लोकसभा चुनावों के मद्देनजर अगड़े, पिछड़े व दलित मतों के बीच सियासी समीकरण साधने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा, मैं भाजपा को भारी बहुमत से जिताने वाले राज्य के लोगों की उम्मीदों को पूरा करने के लिए काम करूंगा। भाजपा ने एक छोटे कार्यकर्ता को बड़ी जिम्मेदारी दी है। मैं पार्टी की उम्मीदों को पूरा करने के लिए काम करूंगा।

उन्होंने कहा, मैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा को धन्यवाद देता हूं। मैं मोदी जी और निवर्तमान मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा शुरू की गई कल्याण और विकास योजनाओं पर काम करूंगा। यादव ने वरिष्ठ नेताओं शिवराज सिंह चौहान नरेंद्र सिंह तोमर, कैलाश विजयवर्गीय के प्रति आभार व्यक्त किया।

जगदीश देवड़ा होंगे उपमुख्यमंत्री, तोमर होंगे विधानसभा अध्यक्ष

केंद्रीय नेतृत्व का अच्छा कदम: शर्मा

मध्य प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा ने सोमवार को कहा कि केंद्रीय नेतृत्व ने मोहन यादव को अगले मुख्यमंत्री के रूप में चुनकर सबसे अच्छा कदम उठाया है। शर्मा ने यादव को बधाई देते हुए कहा, 'पार्टी ने एक सामान्य और अच्छे कार्यकर्ता को विधायक दल का नेता चुना है।

भाजपा के प्रमुख OBC नेता, हिंदुत्व समर्थक

मनोनीत मुख्यमंत्री यादव भारतीय जनता पार्टी के एक प्रमुख ओबीसी नेता हैं जिन्हें हिंदुत्व का मुखर समर्थक माना जाता है। मध्यप्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री के रूप में उन्होंने हिंदू महाकाव्य 'रामचरितमानस' को 2021 में कॉलेजों में वैकल्पिक विषय बनाने की घोषणा की थी। तीन बार के भाजपा विधायक मोहन यादव ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत तब की जब वह एक छात्र थे। वह शिवराज सिंह की सरकार में प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री बने।

क्यों सौंपी कमान

- पार्टी नई पीढ़ी को नेतृत्व सौंपना चाहती थी
- 48 प्रतिशत ओबीसी आबादी है मध्य प्रदेश में।यूपी बिहार में भी प्रभावशाली हैं यादव वोट

छात्र जीवन से की राजनीति की शुरुआत

यादव का जन्म 25 मार्च, 1965 को उज्जैन में हुआ था। उन्होंने 1982 में माधव साइंस कॉलेज उज्जैन के संयुक्त सचिव के रूप में अपना राजनीतिक जीवन शुरू किया और 1984 में इसके अध्यक्ष के रूप में चुने गए। यादव ने एलएलबी और एमबीए की डिग्री के अलावा डॉक्टरेट (पीएचडी) की डिग्री भी हासिल की। यादव युवा अवस्था से ही आरएसएस से जुड़े रहे और 1993 से 1995 तक वह उज्जैन शहर में इसके पदाधिकारी थे।वर्ष 2013 में पहली बार उज्जैन दक्षिण से विधायक चुने गए यादव ने 2011-13 तक मध्य प्रदेश पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। वह 2018 और फिर 2023 में इस सीट से दोबारा चुने गए। शिवराज सिंह चौहान सरकार में उच्च शिक्षा मंत्री यादव ने 17 नवंबर को हुए चुनाव में अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस उम्मीदवार चेतन यादव को 12,941 वोटों के अंतर से हराया।

दिल्ली आबकारी नीति घोटाला

विशेषाधिकार समिति के समक्ष पेश होने की संजय को मिली अनुमति

एजेंसी | नई दिल्ली

दिल्ली की एक अदालत ने सोमवार को कथित दिल्ली आबकारी नीति घोटाले से संबंधित धनशोधन मामले में गिरफ्तार आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह को विशेषाधिकार हनन के मामले में अपनी दलीलें देने के लिए संसदीय समिति के समक्ष पेश होने की अनुमति दे दी। विशेष न्यायाधीश एम.के. नागपाल ने सिंह के वकील द्वारा दायर एक आवेदन पर यह अनुमति दी गई, जिन्होंने दावा किया था कि सांसद होने के नाते आरोपी को कार्यवाही में शामिल होने की आवश्यकता है। न्यायाधीश ने जेल अधीक्षक को निर्देश दिया कि वह आरोपी को सत्र के किसी भी कार्य दिवस पर संसद ले जाएं ताकि वह राज्यसभा की विशेषाधिकार समिति के समक्ष अपनी दलीलें पेश कर सकें।

सहयोगियों से मिलने की अनुमति नहीं

न्यायाधीश ने कहा कि सिंह को अपने सहयोगियों, समर्थकों और मीडियाकर्मियों से मिलने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इस बीच, गवाह की सुरक्षा की मांग करने वाला ईडी का आवेदन एक अन्य अदालत में लंबित होने के मद्देनजर न्यायाधीश ने मौजूदा मामले में सिंह के खिलाफ आरोपपत्र पर संज्ञान लेने या नहीं लेने पर आदेश स्थगित कर दिया। अदालत मंगलवार को सिंह की जमानत याचिका पर सुनवाई कर सकती है, जो फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं। प्रवर्तन निदेशालय ने सिंह को चार अक्टूबर को गिरफ्तार किया था।

लाभ के पद का मामला

हेमंत सोरेन के खिलाफ EC की सिफारिश पर विचार: राज्यपाल

एजेंसी | रांची

झारखंड के राज्यपाल सी. पी. राधाकृष्णन ने सोमवार को कहा कि राजभवन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के खिलाफ खनन पट्टे की अवधि बढ़ाने को लेकर लाभ के पद मामले में निर्वाचन आयोग की सिफारिश पर विचार कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि जिन लोगों ने गलत काम किया है और दोषी पाए गए हैं, उन्हें परिणाम भुगतना होगा।

निर्वाचन आयोग ने पिछले साल अगस्त में उस याचिका पर राजभवन को अपनी राय भेजी थी, जिसमें मांग की गई थी कि सोरेन को खुद के लिए खनन पट्टा की अवधि बढ़ाने और चुनावी मानदंडों का उल्लंघन करने के लिए विधानसभा सदस्य के तौर पर अयोग्य घोषित किया जाए।

राजभवन में एक कार्यक्रम के दौरान संवाददाताओं से बातचीत में राधाकृष्णन ने कहा, कुछ कठिनाइयां हैं। हमें उन्हें जांचना-परखना है और हम करेंगे।

कांग्रेस सांसद धीरज साहू से जुड़े परिसरों पर आयकर विभाग की छापेमारी के दौरान नकदी जब्त होने के सवाल पर राज्यपाल ने कहा, जब प्रवर्तन निदेशालय और आयकर विभाग कोई कार्रवाई करता है, तो वह किसी विशेष पार्टी या पार्टी पदाधिकारी के खिलाफ नहीं होती है। उन्होंने बताया कि एजेंसियां कार्रवाई उन लोगों के खिलाफ करती हैं, जो भ्रष्टाचार के मामले में आरोपी हैं।

ईडी ने हेमंत सोरेन को भेजा नया समन

रांची। प्रवर्तन निदेशालय ने कथित भूमि घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले में पूछताछ के लिए झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को नया समन भेजा है। आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को बताया कि सोरेन (48) को यहां हिनू क्षेत्र में संघीय एजेंसी के क्षेत्रीय कार्यालय में 12 दिसम्बर को उपस्थित होने और धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत अपना बयान दर्ज कराने के लिए कहा गया है। ईडी की ओर से सोरेन को जारी यह छठा नोटिस है, लेकिन वह एक भी बार एजेंसी के सामने पेश नहीं हुए। ईडी ने सोरेन को 14 अगस्त को अपना पहला समन भेजा था।

असम के सीएम की पीएम से मुलाकात

नई दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने सोमवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और विभिन्न मसलों पर विचार विमर्श किया।

विकसित भारत @2047: युवाओं की आवाज का शुभारंभ

यही है सही समय, लंबी छलांग लगाने के लिए तैयार है देश: पीएम मोदी

एजेंसी | नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को विश्वास जताया कि भारत मौजूदा कालखंड में लंबी छलांग लगाएगा। युवा पीढ़ी को इस तरह से तैयार करना होगा कि वह देश को नेतृत्व प्रदान करे तथा राष्ट्रीय हित को सर्वोच्च प्राथमिकता दे। प्रधानमंत्री ने 'विकसित भारत 2047: युवाओं की आवाज' पहल की शुरुआत करते हुए कहा कि भारत की युवा शक्ति परिवर्तन की एजेंट और परिवर्तन की लाभार्थी दोनों है।

उन्होंने कहा, किसी भी राष्ट्र के जीवन में इतिहास एक मौका देता है, जब राष्ट्र अपनी विकास यात्रा में तेजी से प्रगति कर सकता है। भारत में अभी अमृत काल चल रहा है और यह भारत के इतिहास का वह कालखंड है जब देश एक लंबी छलांग लगाने जा रहा है। उन्होंने आस-पास के कई देशों का उदाहरण दिया जिन्होंने एक निर्धारित समय सीमा में इतनी लंबी छलांग लगाई कि विकसित राष्ट्र बन गए। उन्होंने कहा, भारत के लिए यही समय है, सही समय है। इस अमृत काल के प्रत्येक क्षण का उपयोग किया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री आजादी की 75वीं वर्षगांठ से 100वीं वर्षगांठ तक के सफर को अक्सर अमृत काल कहते हैं।

शिक्षा और कौशल से आगे बढ़ने की जरूरत

पीएम ने शिक्षा और कौशल से आगे बढ़ने की जरूरत पर बल दिया और नागरिकों के बीच राष्ट्रीय हित और नागरिक भावना के लिए सतर्कता का आह्वान किया। उन्होंने कहा, पूरी दुनिया की नजर भारत के युवाओं पर है। युवा शक्ति परिवर्तन की वाहक भी है और परिवर्तन की लाभार्थी भी। प्रधानमंत्री ने कुलपतियों और संस्थानों के प्रमुखों से छात्रों के लिए आदर्श बनने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, आपको अपने संस्थानों में दाखिला लेने वाले छात्रों के लिए आदर्श बनने की जरूरत है।

भारत कामकाजी उम्र में अग्रणी बनने की ओर

देश की तेजी से बढ़ती आबादी में युवाओं की संख्या का उल्लेख करते हुए मोदी ने बताया कि भारत आने वाले 25-30 वर्षों तक कामकाजी उम्र की आबादी के मामले में अग्रणी बनने जा रहा है और दुनिया इस बात को समझती है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अगले 25 साल आज के कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में युवाओं के करियर के लिए निर्णायक होंगे। उन्होंने कहा कि ये युवा ही हैं जो भविष्य में नए परिवार और नया समाज बनाएंगे, उन्हें ही यह तय करने का अधिकार है कि एक विकसित भारत कैसा होना चाहिए। इसी भावना के साथ सरकार देश के हर युवा को विकसित भारत की कार्ययोजना से जोड़ना चाहती है।

यह है विकसित भारत @ 2047 का लक्ष्य

'विकसित भारत @2047' का लक्ष्य भारत को स्वाधीनता के 100वें वर्ष 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनाना है। इस दृष्टिकोण में विकास के विभिन्न पहलुओं को शामिल किया गया है, जिनमें आर्थिक विकास, सामाजिक प्रगति, पर्यावरणीय स्थिरता और सुशासन शामिल हैं।

जरूरी खबर

अयोध्या हवाई अड्डे की सुरक्षा होगी CISF के जिम्मे

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में जल्द ही शुरू होने वाले अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की सुरक्षा का जिम्मा केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की एक सशस्त्र टुकड़ी को सौंपा जा सकता है। आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को बताया कि मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की सुरक्षा समीक्षा शुरू की गई है और केंद्रीय तथा राज्य खुफिया एजेंसी के अलावा अन्य सुरक्षा एजेंसियों के विशेषज्ञों की एक टीम यहां काम की रूपरेखा का विश्लेषण कर रही है। गृह मंत्रालय को एक रिपोर्ट सौंपी जाएगी जो इस बारे में निर्णय लेगा। हवाई अड्डे का उद्घाटन अगले साल 22 जनवरी को शहर में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले होगा।

मोइत्रा ने लोकसभा से निष्कासन को SC में दी चुनौती

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस की नेता महुआ मोइत्रा ने सोमवार को उच्चतम न्यायालय का रुख किया और लोकसभा से अपने निष्कासन को चुनौती दी। लोकसभा की आचार समिति ने उस रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया जिसमें मोइत्रा को 'पैसे लेकर सवाल पूछने' के मामले में अनैतिक एवं अशोभनीय आचरण का जिम्मेदार माना गया था। संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने आठ दिसंबर को हंगामेदार चर्चा के बाद लोकसभा में मोइत्रा के निष्कासन का प्रस्ताव पेश किया जिसे सदन ने ध्वनिमत से मंजूरी दे दी। चर्चा में मोइत्रा को खुद का पक्ष रखने का मौका नहीं मिला था।

भारत- वियतनाम की सेनाओं के बीच सैन्य अभ्यास शुरू

नई दिल्ली। दक्षिण चीन सागर में चीन की बढ़ती आक्रामकता से उत्पन्न चिंताओं की पृष्ठभूमि में भारत और वियतनाम के बीच बढ़ती रणनीतिक भागीदारी के तहत दोनों देशों की सेनाओं ने सोमवार को हनोई में 11 दिवसीय सैन्य अभ्यास शुरू किया। दोनों सेनाओं के बीच 'विनबैक्स-23' नामक सैन्य अभ्यास 21 दिसंबर तक होगा। भारतीय सेना ने कहा कि अभ्यास का उद्देश्य सहयोगात्मक साझेदारी और पारस्परिकता को बढ़ावा देना है। संयुक्त अभ्यास दोनों सेनाओं के बीच रक्षा सहयोग को और मजबूत करेगा। बढ़ते रणनीतिक संबंधों के चलते भारत ने जुलाई में वियतनाम को अपना सेवारत युद्धपोत आईएनएस कृपाण उपहार में दिया था।

श्रीनगर का लाल चौक... फैसले के बाद शांति और गहमागहमी

श्रीनगर। अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के केंद्र सरकार के फैसले को कायम रखने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद सोमवार को श्रीनगर के लाल चौक में पहुंचे लोग। चौका में लोगों की काफी गहमागहमी रही।

व्यास सम्मान से सम्मानित होंगी पुष्पा भारती

नई दिल्ली। प्रख्यात लेखिका पुष्पा भारती को उनके संस्मरण 'यादें, यादें और यादें' के लिए 2023 का व्यास सम्मान देने की घोषणा की गई है। के के बिरला फाउंडेशन द्वारा दिए जाने वाले इस सम्मान में चार लाख रुपए की पुरस्कार राशि के साथ प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिह्न भेंट किया जाता है। हिंदी साहित्य के जाने-माने विद्वान प्रो. रामजी तिवारी की अध्यक्षता में एक चयन समिति ने लेखिका की कृति का चयन किया। भारती ने अपने संस्मरण 'यादें, यादें और यादें' में विभिन्न साहित्यकारों, विशेषतः हिंदी के चोटी के साहत्यकारों से संबंधित अविस्मरणीय संस्मरणों को रेखांकित किया है जिनमें माखनलाल चतुर्वेदी, अज्ञेय, महादेवी वर्मा, निराला, राही मासूम रजा, कमलेश्वर एवं कई अन्य शामिल हैं।

जम्मू कश्मीर से संबंधित दो विधेयक को मंजूरी

उचित समय पर पूर्ण राज्य का दर्जा होगा बहाल: अमित शाह

एजेंसी | पटना/नई दिल्ली

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को देश को आश्वस्त किया कि आतंकवाद से मुक्त 'नए और विकसित कश्मीर' के निर्माण की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हुई है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि उचित समय पर जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है और कोई भी इसे छीन नहीं सकता। शाह ने राज्यसभा में जम्मू कश्मीर आरक्षण विधेयक और जम्मू कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक पर में हुई चर्चा का जवाब देते हुए यह बात कही।

बाद में सदन ने ध्वनिमत से विधेयकों को मंजूरी दे दी। राज्यसभा में उन्होंने अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के उच्चतम न्यायालय के सोमवार के फैसले को 'ऐतिहासिक' बताया और कहा कि अब केवल 'एक संविधान, एक राष्ट्रीय ध्वज और एक प्रधानमंत्री' होगा।

उन्होंने विपक्ष पर हमला करते हुए कहा कि वह अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों को समाप्त किए जाने के बाद जम्मू-कश्मीर में जमीनी स्तर पर बदलाव नहीं देख पा रहा है जबकि पूरा देश समझ गया है कि कश्मीर मुद्दे से निपटने में पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की गलती थी। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर विधानसभा में पीओके के लोगों के लिए 24 सीटों का आरक्षण सुनिश्चित किया गया है।

नेहरू, अब्दुल्ला और मुफ्ती परिवारों की ओर इशारा करते हुए शाह ने आरोप लगाया कि तीन परिवारों ने कश्मीर के अनुसूचित जनजाति और गरीब लोगों को उनके अधिकारों से वंचित किया क्योंकि जम्मू-कश्मीर में पहले कई कानून उनपर लागू नहीं होते थे।

क्या बोले कश्मीरी नेता

"फैसला निराशाजनक, लेकिन संघर्ष जारी रहेगा।"

- उमर अब्दुल्ला

"जम्मू कश्मीर के लोगों के लिए, बल्कि भारत के विचार के लिए भी मौत की सजा।"

- महबूबा मुफ्ती

"फैसला परेशान करने वाला। बेहतर भविष्य के लिए संघर्ष जारी रहेगा।"

- एम.वाई. तारिगामी

फैसला ऐतिहासिक: शाह

राज्य का दर्जा बहाल हो: कांग्रेस

नई दिल्ली। पूर्ववर्ती जम्मू-कश्मीर राज्य को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को निरस्त करने संबंधी सरकार के फैसले को बरकरार रखने के उच्चतम न्यायालय के निर्णय को सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने 'ऐतिहासिक' करार देते हुए कहा कि इसने केंद्र के कदम की संवैधानिक वैधता की पुष्टि की है और एकता के सार को मजबूत किया है। कांग्रेस ने कहा कि इस मुद्दे पर बहस खत्म हो गई है। पार्टी ने जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा तत्काल बहाल करने और वहां विधानसभा चुनाव कराने की मांग की। जम्मू-कश्मीर में राजनीतिक दलों ने शीर्ष अदालत के फैसले पर निराशा व्यक्त की। दूसरी ओर श्रीनगर में पीडीपी ने फैसले से पहले दावा किया कि पार्टी प्रमुख महबूबा मुफ्ती को नजरबंद कर दिया गया। लेकिन उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने इसे खारिज कर दिया।

न्यायालय ने कई मुद्दों पर फैसला किया, कुछ को छोड़ दिया: चिदंबरम-सिंघवी

कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम और अभिषेक सिंघवी ने कहा कि अनुच्छेद 370 को निरस्त करने से संबंधित मामलों में न्यायालय ने कई मुद्दों पर फैसला किया है, लेकिन कुछ को छोड़ दिया है। प्रथम दृष्ट्या, जिस तरीके से अनुच्छेद 370 को निरस्त किया गया, उससे संबंधित फैसले से हम सम्मानपूर्वक असहमत हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा जम्मू-कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग की है और हम इस संबंध में उच्चतम न्यायालय के फैसले का स्वागत करते हैं। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की प्रमख महबूबा मुफ्ती ने फैसले को न सिर्फ जम्मू कश्मीर के लोगों के लिए, बल्कि भारत के विचार के लिए भी मौत की सजा बताया। नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने भी न्यायालय के निर्णय पर निराशा जताई लेकिन कहा कि संघर्ष जारी रहेगा। माकपा नेता एम.वाई. तारिगामी ने फैसले को परेशान करने वाला बताया और कहा कि बेहतर भविष्य के लिए संघर्ष जारी रहेगा।

निर्यात पर रोक के बाद सरकार का फैसला

बफर स्टॉक के लिए दो लाख टन प्याज की होगी खरीद

एजेंसी | नई दिल्ली

निर्यात पर प्रतिबंध के खिलाफ महाराष्ट्र में प्याज किसानों के विरोध के बीच केंद्र ने सोमवार को कहा कि वह किसानों के हितों की रक्षा के लिए सभी मंडियों से अपने बफर स्टॉक के लिए लगभग दो लाख टन खरीफ प्याज फसल खरीदेगी। खरीद यह सुनिश्चित करेगी कि घरेलू थोक दरें स्थिर रहें और प्रतिबंध के कारण तेज गिरावट न आए।

दूसरी ओर, सरकार ने कहा कि बफर स्टॉक का इस्तेमाल खुदरा कीमतों में बढ़ोतरी को रोकने के लिए किया जाएगा। प्याज की घरेलू उपलब्धता बढ़ाने और कीमतों को नियंत्रण में रखने के लिए केंद्र ने आठ दिसंबर को अगले साल 31 मार्च तक प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था। इसके चलते महाराष्ट्र के नासिक जिले में प्याज किसानों ने विरोध प्रदर्शन किया। उपभोक्ता मामलों के सचिव रोहित कुमार सिंह ने मीडिया को से कहा, निर्यात प्रतिबंध का किसानों पर कोई असर नहीं होगा क्योंकि सरकारी खरीद जारी है। इस साल अब तक हमने 5.10 लाख टन प्याज की खरीद की है तथा लगभग दो लाख टन खरीफ प्याज फसल की और खरीद की जाएगी। सरकार ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए बफर स्टॉक का लक्ष्य बढ़ाकर सात लाख टन कर दिया है, जबकि पिछले साल वास्तविक स्टॉक तीन लाख टन का ही था।

देव दीपावली पर जगमग पुरी

पुरी। पुरी में श्रद्धालुओं ने सोमवार को देव दीपावली मनाई गई। इस अवसर पर श्रद्धालु भगवान जगन्नाथ के मंदिर के सामने दीपक प्रज्वलित करते हुए।

संसदीय समिति ने की सिफारिश: बनाएं नया कानून...

राज्यों की सहमति के बिना जांच कर सके सीबीआई

एजेंसी | नई दिल्ली

संसद की एक समिति ने सोमवार को कहा कि कुछ राज्यों द्वारा सहमति वापस लेने से महत्वपूर्ण मामलों की जांच करने का केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) का अधिकार क्षेत्र काफी सीमित हो गया है तथा इसलिए एक नया कानून बनाने की सख्त जरूरत है।

उसका यह भी कहना है कि इस संघीय एजेंसी को व्यापक अधिकार देने की जरूरत है ताकि वह राज्य की सहमति और हस्तक्षेप के बिना मामलों की जांच कर सके।

कार्मिक, लोक शिकायत, विधि और न्याय विभाग से संबंधित संसद की स्थायी समिति ने कहा कि सीबीआई के कामकाज में निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए कुछ उपाय किए जाने चाहिए ताकि राज्यों को भी अपने साथ भेदभाव महसूस न हो। दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना (डीएसपीई) अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार, सीबीआई द्वारा किसी भी जांच के लिए राज्य सरकार की सहमति एक आवश्यकता है।

नौ राज्यों ने अब तक सहमति वापस ली

रिपोर्ट में कहा गया है कि अब तक नौ राज्यों ने मामलों की जांच के लिए सीबीआई को दी गई सहमति वापस ली है। सहमति के दायरे में शामिल नहीं रहने वाले राज्य में जांच करने के लिए सीबीआई को राज्य सरकार की सहमति की आवश्यकता होती है और एजेंसी मामले-दर-मामले के आधार पर ऐसी सहमति मांगती है। समिति ने कहा, इससे महत्वपूर्ण मामलों की निष्पक्ष और उद्देश्यपूर्ण जांच करने की सीबीआई की शक्तियों के लिए सीमाएं निर्धारित हो गईं हैं। इससे राज्यों में भ्रष्टाचार और संगठित अपराध को बढ़ावा मिलेगा।

न्यायाधीशों के लिए संपत्ति की घोषणा अनिवार्य हो: सुशील मोदी

नई दिल्ली। भाजपा के राज्यसभा सदस्य सुशील कुमार मोदी ने सोमवार को कहा कि उच्च न्यायालयों और उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों के लिए सालाना संपत्ति की घोषणा करना अनिवार्य किया जाना चाहिए, जैसा कि मंत्रियों और नौकरशाहों द्वारा किया जाता है। उन्होंने इसे लागू करने के लिए मौजूदा कानून में संशोधन करने या एक नया कानून बनाने का सुझाव दिया। सदन में शून्यकाल के दौरान यह मुद्दा उठाते हुए सुशील मोदी ने कहा कि प्रधानमंत्री सहित मंत्रियों और आईएएस तथा आईपीएस अधिकारियों जैसे नौकरशाहों को सालाना अपनी संपत्ति की घोषणा करनी होती है। होई कोर्ट ने निर्देश दिया है कि जनता को विधानसभाओं और संसद के लिए चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की संपत्ति के बारे में जानने का अधिकार है उम्मीदवार इसकी घोषणा करते हुए एक हलफनामा भी दायर करते हैं। निर्वाचित होने के बाद जनप्रतिनिधियों को अपनी संपत्ति का ब्योरा देना होता है।

ज्ञानवापी मामला

सर्वे रिपोर्ट के लिए ASI को एक सप्ताह का और समय

पुरातत्वविद् अविनाश मोहंती का स्वास्थ था खराब

एजेंसी | वाराणसी

वाराणसी की जिला अदालत ने सोमवार को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण को यहां ज्ञानवापी मस्जिद परिसर की वैज्ञानिक सर्वेक्षण रिपोर्ट पूरी करने और उसे जमा करने के लिए एक सप्ताह का और समय दिया है। विवाद में हिंदू पक्ष के वकील मदन मोहन यादव ने कहा कि मामले की सुनवाई करते हुए जिला न्यायाधीश एके विश्वेश ने एएसआई को सर्वेक्षण पूरा करने और अपनी रिपोर्ट सौंपने के लिए एक सप्ताह का अतिरिक्त समय दिया। अदालत ने मामले में सुनवाई की अगली तारीख 18 दिसंबर तय की है। हिंदू पक्ष के वकील मदन मोहन यादव ने कहा कि एएसआई ने अपने आवेदन में अपने अधीक्षण पुरातत्वविद् अविनाश मोहंती के खराब स्वास्थ्य, रक्तचाप में अचानक वृद्धि और अदालत में उपस्थित होने में असमर्थता का हवाला देते हुए सोमवार को रिपोर्ट पेश करने में असमर्थता जताई। यह छठी बार है जब अदालत ने एएसआई को अपनी सर्वेक्षण रिपोर्ट दाखिल करने के लिए समय दिया है।

जयरंगम-2023: नाटकों ने दिए संदेश, संवाद से मिले सूत्र

मोबाइल फोन में रील देखने के लिए झुक गए हैं हमारे सिर...

बेधड़क.जयपुर। नाटकों ने संदेश दिए तो संवाद से सूत्र मिले और म्यूजिकल कॉन्सर्ट में सुकून दिखाई दिया। कलाकारों ने अभिनय को जीवंत करते हुए मंच पर कई मैसेज भी दिए। हर कहीं बस कला की बानगी ही बिखरी थी। नजारा था श्री एम डॉट बैंड थिएटर फैमिली सोसायटी की ओर से कला व संस्कृति विभाग और जवाहर कला केन्द्र के सहयोग से आयोजित जयपुर रंग महोत्सव में परफॉर्मेंस का। लीला और स्मृति शेष नाटक के जरिए जहां अलग-अलग संदेश मंच से प्रेषित हुए, वहीं अतुल सत्य कौशिक की मास्टर क्लास में चाणक्य नीति के सूत्र आमजन तक पहुंचे।

मैं चूल्हे की आग!...

“मैं चूल्हे की आग की तरह हूं, जो रोज जलती है रोज बुझती है’, नाटक की नायिका आवली की यह पीड़ा नाटक “लाली’ का सार रही। स्पॉटलाइट में युवा निर्देशक कृष्णा विलास वाल्के के निर्देशन में कृष्णायन सभागार में लाली का मंचन हुआ। नायक किसना अपनी भैंस लाली के गुम जाने पर विकल है और उसे ढूंढने इधर-उधर भटकता रहता है। ऐसे में कहानी धीरे-धीरे आगे बढ़ती है। गौरतलब है नाटक ने महाराष्ट्र में कई पुरस्कार अपने नाम किए हैं।

दादी और नानी का प्यार

इतिहास, संस्कृति और परंपरा को संजोती थीं कहानियां, कितनी सादगी और कितना अपनापन था, दादी और नानी कितना प्यार करती थीं। यह सब अब स्मृतियों में है। फिर आया ऑल इंडिया रेडियो का दौर। रेडियो पर गीत सुनते-सुनते दिन गुजरता था। टीवी आया तो पूरा मोहल्ला साथ रामायण और महाभारत देखता था। अब ये बीते दौर की बातें हैं। जिस सिर को उठाकर हम कहानियां सुनते थे वह सिर मोबाइल पर रील देखने के लिए झुक गए हैं। ऐसे भावों को मंच पर नाटक ‘स्मृति शेष’ में दर्शाया गया। रंगायन में मूमल तंवर के निर्देशन में राजस्थान कॉलेज के थिएटर डिपार्टमेंट के छात्रों में नाटक किया। नाटक में दादी नानी के दौर से लेकर वर्तमान परिप्रेक्ष्य का जीवंत चित्रण किया गया। साथ ही मध्यवर्ती में श्रोता जुटे और म्यूजिकल कॉन्सर्ट ‘द्वापर नाद’ का हिस्सा बने। अतुल सत्य कौशिक के निर्देशन में हुए कॉन्सर्ट में श्रोता कलाकारों की मधुर आवाज के साथ सुरीले सफर पर निकले। कॉन्सर्ट में महाभारत के प्रसंगों को गीतों, दोहों और श्लोकों के साथ बयां किया गया।

चाणक्य के सूत्रों से मिले जीवन के मंत्र

हर कहानी के दो ही आधार होते हैं अभाव या अपमान, घनानंद ने चाणक्य का अपमान किया तो चाणक्य ने सत्ता पलटकर चंद्रगुप्त को पाटलिपुत्र की गद्दी पर बिठा दिया। चाणक्य की नीतियां केवल राजनीतिक बदलाव ही नहीं, बल्कि आमजीवन को भी बेहतर बनाने में कारगर हैं। जयरंगम के रंग संवाद में विचार रखते हुए निर्देशक अतुल सत्य कौशिक ने ये विचार रखे। कौशिक ने बताया कि हजारों साल पहले चाणक्य ने जो बातें अपनी पुस्तकों में लिखी वो आज भी प्रासंगिक हैं। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है, कि चाणक्य हमसे कितना आगे थे।

दीपक चुने गए कार्यकारी सदस्य

बेधड़क. जयपुर। दी बार एसोसिएशन जयपुर के वार्षिक चुनावों 2023-24 में जयपुर से कार्यकारी सदस्य में दीपक मिश्रा विजय हुए। उन्हें 1231 वोट मिले। जीत पर दीपक के साथियों और अधिवर्ताओं ने ढोल-नगाड़ों के साथ जश्न मनाया।

‘म्हारी बींदणी’ का हुआ मुहूर्त

बेधड़क. जयपुर। श्रीराधा गोविन्द फिल्म की ओर से “म्हारी बींदणी’ का मुहूर्त गलता गेट स्थित गीता गायत्री मंदिर में पंडित राजकुमार चतुर्वेदी के सान्निध्य में हुआ। इस अवसर पर कलाकार उपस्थित रहे और लेखक-निर्देशक धर्मेंद्र उपाध्याय ने बताया कि फिल्म सामाजिक ताने-बाने को ध्यान में रखते हुए सफैकर्मियों की जिंदगी पर आधारित है। किस तरह शिक्षा से जीवन को एक मुकाम मिलता है चित्रित किया जाएगा। मुख्य भूमिका परिणीता शर्मा, अंजलि, कृति चतुर्वेदी, ओम प्रकाश रछोया, मोहित शर्मा निभा रहे हैं। छायांकन बलजीत गोस्वामी का है और शूटिंग जयपुर के आस-पास होगी।

City इवेंट्स

नंबर-1 स्क्वैश खिलाड़ी बनी दिव्यांशी जैन

बेधड़क. जयपुर। राज्य व राष्ट्रीय स्तर की गर्ल्स अंडर-11 कैटेगिरी की नंबर वन स्क्वैश खिलाड़ी जयपुर की दिव्यांशी जैन अब गर्ल्स अंडर-11 कैटेगिरी में एशियाई नंबर-1 खिलाड़ी बनकर उभरी हैं। दिव्यांशी ने मुम्बई में हुई सीसीआई वेस्टर्न इंडिया स्लैम स्क्वैश चैंपियनशिप में अंडर-11 गर्ल्स का खिताब जीता। कोच व इंटरनेशनल प्लेयर सुरभि मिश्रा के अनुसार अंडर-11 गर्ल्स के फाइनल में दिव्यांशी जैन ने महाराष्ट्र की शनाया राय को 11-6, 11-4, 11-8 से हराया। इससे पहले सेमी फाइनल में महाराष्ट्र की ही गार्गी कदम को 11-3, 11-1, 11-7 से हरा फाइनल में जगह बनाई थी।

भगवान पुष्पदंतनाथ का जन्म व तप कल्याणक दिवस कल

बेधड़क. जयपुर। जैन धर्म के 9वें तीर्थंकर भगवान पुष्पदंत स्वामी का जन्म व तप कल्याणक महोत्सव बुधवार को मनाया जाएगा। इस मौके पर शहर के दिगम्बर जैन मंदिरों में पूजा-अर्चना के विशेष आयोजन होंगे। अभादि जैन परिषद के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य व प्रदेश उपाध्यक्ष विनोद जैन “कोटखावदा’ ने बताया कि दिगम्बर जैन मंदिर छाबड़ा मनिहारों का रास्ता, सांगानेर के दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मंदिर संघीजी, आगरा रोड स्थित पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र चूलगिरी, मोती सिंह भोमियो का रास्ता स्थित दिगम्बर जैन मंदिर चौबीस महाराज सहित कई मंदिरों में आयोजन होगें।

जयपुर में शुरू हुआ राष्ट्रीय पुस्तक मेला

बेधड़क. जयपुर। भारतीय भाषा उत्सव के तहत डॉ. राधाकृष्णन राज्य केंद्रीय पुस्तकालय गांधी नगर में 5 दिवसीय राष्ट्रीय पुस्तक मेले की शुरुआत हुई। 15 दिसंबर तक चलने वाले मेले का उद्घाटन शासन सचिव स्कूल शिक्षा नवीन जैन ने किया। मेले में के.के. पाठक सचिव वित्त विभाग व प्रियंका जोधावत अतिरिक्त महानिदेशक जवाहर कला केन्द्र ने विजिट किया। मेले में केंद्रीय साहित्य अकादमी, नेशनल बुक ट्रस्ट, चिल्ड्रन्स बुक ट्रस्ट, राजस्थान साहित्य अकादमी, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, पंडित जवाहर लाल नेहरू बाल साहित्य अकादमी, अजीम प्रेमजी फाउण्डेशन आदि भाग ले रहे हैं।

रंग कलश संस्था की ओर से होगा आयोजन

जीना इसी का नाम है में कलाकारों को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड

बेधड़क | जयपुर

जयपुर में बॉलीवुड का गोल्डन ऐरा एक बार फिर साकार होगा और गीतों की शाम को जयपुराइट्स एंजॉय करेंगे, क्योंकि सामाजिक व सांस्कृतिक संस्था रंग कलश की ओर से 17 दिसम्बर को “महाराणा प्रताप सभागार’ में भारतीय सिनेमा के स्वर्ण युग के मशहूर गीतों की शाम “जीना इसी का नाम है’ का आयोजन किया जाएगा। मुंबई के तिरूपति इवेन्ट्स के सहयोग से गायकों और जयपुर के फेमस सिंगर्स अपनी आवाज का जादू चलाएंगे। कार्यक्रम का पोस्टर का विमोचन विधायक राजकुमारी दिया कुमारी ने किया।

पुराने तरानों को किया जाएगा पेशः कार्यक्रम संयोजक नन्द के. पारीक व सुनीत शाह (मुंबई) ने बताया, कि कार्यक्रम ओल्ड एज होम्स के सहायतार्थ होगा, जिसमें मुंबई के गायक गोविन्द मिश्रा, प्रियंका मुखर्जी, तृप्ति शाह, सुनित तथा जयपुर के. के. पी. सक्सेना, सोनिका पारीक, डॉ. उषा नायर, कोमल सराफ व प्रिती पुरोहित पुराने तरानों को पेश करेगें। इवेंट में प्रवेश निशुल्क पास के जरिए दिया जाएगा। इस दौरान 2 महान कलाकारों को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से नवाजा जाएगा। राजस्थानी लोक नृत्य अवॉर्ड, चरी नृत्य, घूमर, तेरह ताली के लिए डॉ. रूप सिंह शेखावत को उनकी 50 से अधिक लोक साधना के समर्पण के लिए नवाजा जाएगा। वहीं तबला गुरू डॉ. वसुधा सक्सेना राजस्थान संगीत अकादमी को भी लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानीत किया जाएगा।

सुंदरकांड और भगवान नृसिंह हवन रहा खास

संत-महात्मा की उपस्थिति में आयोजित हुआ रामराज्य महोत्सव

बेधड़क | जयपुर

जयपुर में पहली बार रामराज्य महोत्सव आयोजित किया गया, जिसमें देश और प्रदेश के महंत-विशेषज्ञ शामिल हुए। साथ ही सुंदरकांड, भगवान नृसिंह हवन और प्रसादी के प्रोग्राम में लोगों ने हिस्सा लिया। मौका रहा कानोता के पास रामराज्य महोत्सव-2023 का। समाज सेवी व आयोजक अक्षय गुप्ता ने बताया पहली बार इस प्रकार का आयोजन गुलाबी नगरी में हुआ। प्रबुद्ध लोगों व एनआरआई के साथ महोत्सव में कई लोगों ने शिरकत की। इस दौरान सोशल वर्कर संजय मीणा, राम बाबू गुप्ता, बजरंग दल से सचिन कपूर और लंदन से आए एनआरआई अंकित शर्मा के साथ विधायक कैलाश वर्मा, भाजपा विधायक प्रत्याशी चंद्र मोहन मीणा जयपुर आराध्य देव गोविंद देवजी पुजारी के साथ अन्य महंतों ने हिस्सा लिया।

सभी एक मंच पर आए तो उन्होंने धर्म, समाज, सोशल वर्क, सनातन, राम राज्य आदि टॉपिक पर चर्चा करते हुए कई जानकारियां साझा की। महोत्सव संघ व सनातन का संगम का प्रोग्राम रहा, जो अब हर साल आयोजित किया जाएगा। इस मौके पर संघ से प्रांत प्रचारक बाबूलाल, विभाग प्रचारक प्रशांत, प्रांत संगठन मंत्री राधेश्याम व अन्य जिला प्रचारकों ने शिरकत की। महोत्सव में मुख्य रूप से शाम 4 से 5.30 बजे तक सुंदरकांड का पाठ हुए तो साढ़े चार बजे से भगवान नृसिंहा हवन किया गया। इनके बीच कई सेशन हुए, जिसमें मंदिरों के प्रमुखों ने चर्चा करते हुए जानकारी दी।

म्यूजिकल नाइट एक्टर करण टैकर, रजत बेदी और एमजे-5 भी रहे मौजूद

बॉलीवुड एक्टर्स ने सजाई जयपुर की शाम, लगाए चार चांद

बेधड़क | जयपुर

जयपुर में जब बॉलीवुड स्टार रितिक रोशन की सुपर हिट मूवी कोई मिल गया की स्टारकास्ट आई तो हर कोई रोमांचित नजर आया। जयपुराइट्स के साथ अन्य लोगों ने फोटोज क्लिक कराई, साथ ही अन्य बॉलीवुड कलाकारों को अपने बीच पाकर ईवेंट को एंजॉय किया। सितारों से सजी शाम में कोई स्टार्स के साथ चीयरअप करता रहा तो कोई सेल्फी लेता रहा। वहीं डांस परफॉर्मेंस भी खास रही। ये महफिल फाइनएकर्स और विंधम होटल्स और रिजॉर्ट्स में पाकर हर कोई उत्साहित था।

एमजे-5 की रही शानदार परफॉर्मेंसः शाम को सिम्फनी ग्रुप के लाइव रोशन की सुपर हिट मूवी कोई मिल गया के रजत बेदी जयपुराइट्स को बीच आए तो वे रोमांचित हो उठे। इस मौके सूरज सहाई, शरद भार्गव, रोमा मोंडल और सिलेब्रिटी आर्किटेक्ट बॉबी मुखर्जी साथ रहे।

यूक्रेन ने हमलों को नाकाम करने का किया दावा

रूस ने बैलेस्टिक मिसाइलों से कीव को बनाया निशाना

एजेंसी | कीव

यूक्रेन की वायुसेना ने दावा किया कि सोमवार तड़के रूस ने कीव को निशाना बनाकर आठ बैलेस्टिक मिसाइलें दागीं, जिन्हें उसने नाकाम कर दिया। अधिकारियों ने हालांकि कहा कि विफल किए गए हमले में भी एक व्यक्ति छर्रे लगने से घायल हो गया

यूक्रेन की राजधानी में तड़के चार बजे के बाद जोरदार विस्फोटों की आवाज सुनी गई। इसके बाद हवाई हमले के सायरन बजने लगे।

यूक्रेन के गृह मामलों के मंत्री इहोर क्लिमेंको ने कहा कि पूर्वी कीव के दार्नित्स्की जिले में एक मिसाइल का मलबा गिरा, जबकि राजधानी के अन्य इलाकों में धमाकों की वजह से एक मकान की खिड़कियां क्षतिग्रस्त हो गईं।

सबसे भीषण ड्रोन हमला

यूक्रेन के ऊर्जा मंत्रालय के मुताबिक हमले की वजह से शहर के 120 मकानों की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। मंत्रालय के मुताबिक रूसी सैनिकों ने पिछले साल सर्दियों में जानबूझकर यूक्रेन की ऊर्जा प्रणाली को निशाना बनाया था जिसकी वजह से पूरे देश में बिजली की आपूर्ति बाधित हो गई थी। अभी दो सप्ताह पहले ही कीव पर हमले हुए थे और यूक्रेन के अधिकारियों का कहना था कि 2022 में रूस के हमले की शुरुआत के बाद से यह सबसे भीषण ड्रोन हमला था। यूक्रेन की वायु सेना ने कहा कि रूस ने राजधानी कीव को निशाना बनाने के लिए ईरान निर्मित 75 शाहिद ड्रोन का इस्तेमाल किया जिनमें से 74 को हवाई सुरक्षा प्रणाली द्वारा नष्ट कर दिया गया।

अर्जेंटीना की यात्रा पर जेलेंस्की

रूस द्वारा सोमवार को राजधानी में हमला ऐसे समय किया गया है जब यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की अर्जेंटीना की यात्रा पर हैं। वह लातिन अमेरिकी देश के नव निर्वाचित राष्ट्रपति जेवियर मिलाई के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने गए हैं। जेलेंस्की ने अर्जेंटीना में मिलाई के अलावा उरुग्वे, पराग्वे और इक्वाडोर के राष्ट्रपतियों से मुलाकात की।

बाइडेन ने जेलेंस्की को किया आमंत्रित

वाशिंगटन। रूस के खिलाफ युद्ध में यूक्रेन की मदद करने के मकसद से और वित्तीय मदद मुहैया कराने के लिए संसद पर दबाव बनाने के अमेरिकी प्रशासन के प्रयासों के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की को अपने आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइड हाउस' में आमंत्रित किया है। व्हाइट हाउस ने एक बयान में कहा कि इस निमंत्रण का मकसद 'रूस के नृशंस हमले के खिलाफ अपना बचाव कर रहे यूक्रेन के लोगों के प्रति अमेरिकी समर्थन की अडिग प्रतिबद्धता को रेखांकित करना' है। उसने कहा कि रूस यूक्रेन के खिलाफ अपने मिसाइल और ड्रोन हमले बढ़ा रहा है।

इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने हमास को दिया आखिरी विकल्प

सरेंडर कर दो... नहीं तो तुम्हारा अंत तय

एजेंसी | तेल अवीव

गाजा पट्टी में इजराइल नई तकनीकों के साथ हमास आतंकियों पर कहर बनकर टूट रहा है। कई मोर्चों पर उसकी सेनाओं को आराम देते हुए एआई टूल्स की मदद से हमास के गुप्त ठिकानों को टारगेट किया जा रहा है। इस बीच इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हमास के कार्यकर्ताओं को आखिरी विकल्प देते हुए कहा कि वे उनके सामने आत्मसमर्पण कर दें क्योंकि फिलिस्तीनी आतंकी समूह का अंत निकट है।

नेतन्याहू का यह बयान तब सामने आया है जब हमास ने इजराइल की खुली धमकी देते हुए कहा था कि बिना उसकी शर्त माने वो अपने बंधकों को जिंदा हमसे नहीं ले जा सकता।

नेतन्याहू ने एक बयान में कहा कि युद्ध अभी भी जारी है, लेकिन यह हमास के अंत की शुरुआत है। मैं हमास के आतंकवादियों से कहना चाहता हूं कि याह्या सिनवार के लिए मरना बंद करो। अब आत्मसमर्पण कर लो। सिनवार गाजा पट्टी में हमास के प्रमुख है। नेतन्याहू ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में दर्जनों हमास आतंकवादियों ने हमारी सेना के सामने आत्मसमर्पण किया है।

चिंता बढ़ा रहा है नरसंहार

इजराइल और हमास के बीच दो महीने से चल रही जंग रुकने का नाम नहीं ले रही है। हजारों कत्लेआम और खून-खराबे के बावजूद न इजराइली सेना ने कदम पीछे हटाए हैं और न ही हमास ने घुटने टेके हैं। गाजा पट्टी में चल रहा नरसंहार दुनिया की चिंता बढ़ा रहा है। कुछ दिन पहले डब्ल्यूएचओ ने एक रिपोर्ट में कहा था कि हर 10 में से 9 गाजावासी को भरपेट खाना नहीं मिल पा रहा है, यह बेहद चिंताजनक है। इस युद्ध में अकेले गाजा से मरने वालों की संख्या 16 हजार से ज्यादा है, जिसमें ज्यादातर महिलाएं और बच्चे शामिल हैं।

हमास की इजराइल को खुली चेतावनी

नेतन्याहू ने हमास से आत्मसमर्पण करने का आखिरी विकल्प दिया है तो दूसरी तरफ हमास आतंकियों ने इजराइल से दो टूक शब्दों में कहा है कि अगर वो उनकी सभी शर्तें मान लेता है तभी वे बंधकों को रिहा करेंगे। यह भी कहा कि अगर इजराइल ने शर्त नहीं मानी तो उसके एक बंधक जिंदा नहीं बच पाएंगे।

जलवायु संकट के समाधान पर बोले राष्ट्रमंडल के महासचिव...

दुनिया को भारत के नेतृत्व से उम्मीद

एजेंसी | दुबई

राष्ट्रमंडल महासचिव पेट्रिशिया स्कॉटलैंड ने कहा है कि जलवायु संकट का समाधान प्रदान करने के लिए दुनिया भारत के नेतृत्व और बौद्धिक शक्ति पर उम्मीद लगाए बैठी है।

यहां वार्षिक जलवायु सम्मेलन में एक साक्षात्कार में स्कॉटलैंड ने कहा कि वह यह सोचकर ही खुशी हो रही है कि भारत क्या करने का फैसला करेगा। शिखर सम्मेलन में वार्ताकार गंभीर जलवायु प्रभावों की स्थिति को और बदतर होने से रोकने के लिए ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने के सर्वोत्तम तरीकों पर विचार-विमर्श कर रहे हैं। जीवाश्म ईंधन के इस्तेमाल को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने की बढ़ती मांग के बीच भारत से उनकी अपेक्षाओं के बारे में पूछे जाने पर स्कॉटलैंड ने कहा कि भारत को 1.4 अरब लोगों का पेट भरने के साथ उनका ख्याल रखना है, जो कि राष्ट्रमंडल कहे जाने वाले 56 देशों की लगभग आधी आबादी है। स्कॉटलैंड ने कहा, 'मैं उम्मीद कर रही हूं कि भारत में अपनी स्थिति संभालने और नेतृत्व करने का साहस होगा और वह ऐसा कर सकता है। उन्होंने कहा कि भारत पूरी तरह से आशा का प्रतिनिधित्व करता है...राष्ट्रमंडल कुछ सबसे आश्चर्यजनक समाधानों की पेशकश के लिए इसका आभारी है।

वार्षिक प्रतियोगिता

मैनी को 'मिस इंडिया-USA 2023' का ताज

एजेंसी | वाशिंगटन

अमेरिका के मिशिगन में मेडिकल की पढ़ाई कर रही छात्रा रिजुल मैनी को न्यू जर्सी में आयोजित वार्षिक प्रतियोगिता में 'मिस इंडिया यूएसए 2023' का ताज पहनाया गया।

प्रतियोगिता के दौरान मैसाचुसेट्स की स्नेहा नांबियार ने 'मिसेज इंडिया यूएसए' तथा पेंसिल्वेनिया की सलोनी राममोहन ने 'मिस टीन इंडिया यूएसए' का खिताब जीता।

भारत के बाहर लंबे समय तक चलने वाली भारतीय प्रतियोगिता इस वर्ष अपना 41वां वर्षगांठ मना रही है। इसकी शुरुआत न्यूयॉर्क स्थित भारतीय-अमेरिकी धर्मात्मा सरन और नीलम सरन ने वर्ल्डवाइड पेजेंट्स के बैनर तले की थी।

मेडिकल छात्रा और मॉडल हैं मैनी

चौबीस-वर्षीया भारतीय-अमेरिकी मैनी एक मेडिकल छात्रा और मॉडल हैं। वह एक सर्जन बनना चाहती हैं और हर जगह महिलाओं के लिए एक रोल मॉलड के रूप में काम करने की इच्छा रखती हैं। इसमें वर्जीनिया की ग्रीष्मा भट को पहली उपविजेता और नॉर्थ कैरोलिना की इशिता पाई रायकर को दूसरी उपविजेता घोषित किया गया।

25 से अधिक राज्यों के 57 प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा

आयोजकों के मुताबिक, 25 से अधिक राज्यों के 57 प्रतिभागियों ने तीन अलग-अलग प्रतियोगिताओं- 'मिस इंडिया यूएसए, मिसेज इंडिया यूएसए और मिस टीन इंडिया यूएसए' में भाग लिया। तीनों श्रेणियों के प्रतिभागियों को एक ही समूह द्वारा आयोजित 'मिस-मिसेज-टीन इंडिया वर्ल्डवाइड' में भाग लेने के लिए सम्मानार्थ हवाई टिकट मिलेंगे। 'वर्ल्डवाइड पेजेंट्स' के संस्थापक और अध्यक्ष धर्मात्मा सरन ने कहा कि वे वर्षों से समर्थन के लिए दुनिया भर में भारतीय समुदाय का बहुत आभारी है।

सृष्टिविनायक एंटरटेनमेंट मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक मिताली यादव द्वारा सच बेधड़क दैनिक हिन्दी अखबार, 34/16-ए, शिप्रा पथ, मानसरोवर, जयपुर-302020 (राजस्थान) से प्रकाशित एवं भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, रेलवे क्रॉसिंग टोंक रोड, जयपुर (राजस्थान) से मुद्रित।
संपादक: विनायक शर्मा*, **फोन नं. :** 9664014179 (ऑफिस), **ई-मेल:** news@sachbedhadak.com, **RNI No. :** RAJHIN/2021/82557 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।